NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 15 अंक: 74 लखनऊ, मंगलवार 04 नवंबर 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

बिहार में एनडीए को जिताने के लिए मोदी-योगी-शाह ने संभाली कमान,

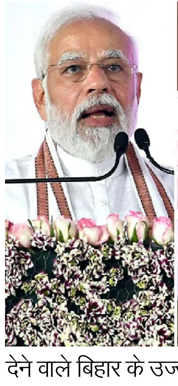

एजेंसी।

बिहार पटना। दरभंगा में योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को "इंडी गठबंधन के तीन बंदर" बताते हुए कहा कि "ये लोग राजग के कामों को न देख सकते हैं, न सुन सकते हैं, न बोल सकते हैं।" बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार अभियान ने सोमवार को चरम पकड़ लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महागठबंधन पर तीखे हमले बोले, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी दोनों को कटघरे में खड़ा किया। सहरसा की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने राजद–कांग्रेस पर 'विनाश की पहचान' का ठप्पा लगाते हुए कहा कि "राजग विकास की प्रतीक है, जबकि राजद और कांग्रेस जंगलराज के पर्याय हैं।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि "पहली बार वोट देने वाले बिहार के उज्ज्वल भविष्य के लिए मतदान करें।" मोदी ने महिला सशक्तिकरण, रोजगार और बाढ़ समाधान की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि "यह रफ्तार रुकनी नहीं चाहिए।"वहीं दरभंगा में योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को "इंडी गठबंधन के तीन बंदर" बताते हुए कहा कि "ये लोग राजग के कामों को न देख सकते हैं, न सुन सकते हैं, न बोल सकते हैं।" योगी ने वादा किया कि राजग सरकार बनने पर "घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा जाएगा" और राज्य को "राम–जानकी मार्ग" से अयोध्या से जोड़ा जाएगा।उधर, सीतामढ़ी में अमित शाह ने दावा किया कि "14 नवंबर दोपहर एक बजे तक राजद का बिहार से सफाया हो जाएगा।" उन्होंने मिथिलांचल के विकास के लिए 11,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि राजग "हर जिले में मेडिकल कॉलेज, औद्योगिक पार्क और रक्षा गलियारा" बनाएगा।दूसरी ओर, वैशाली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पलटवार करते हुए नीतीश कुमार को "कुर्सी के लालच में समाजवाद भूलने वाला नेता" बताया। उन्होंने कहा, "नीतीश मोदी की गोद में बैठे हैं, पर मोदी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे।" देखा जाये तो बिहार की राजनीति में पहले चरण के प्रचार ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया हैकृ यह चुनाव विकास बनाम विनाश, सुशासन बनाम जंगलराज की सीधी टक्कर बन गया है।

योगी आदित्यनाथ ने इंडिया ब्लाक को बताया पप्पू, टप्पू, अप्पू, कहा- ये सच से दूर!

संवाददाता।

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने बिहार के दरभंगा में इंडिया ब्लॉक को श्पप्पू, टप्पू और अप्पूश कहकर विकास कार्यों को देखने, सुनने या बोलने में असमर्थ बताया। उन्होंने विपक्ष पर गरीबों को बुनियादी जरूरतों से वंचित रखाने, कश्मीर मुद्दे को विवादास्पद बनाने और राम विरोधी होने का आरोप लगाया, जो आगामी लोकसभा चुनाव में राजनीतिक बहस को बढ़ावा देगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार के दरभंगा में एक जनसभा के दौरान इंडिया ब्लॉक पर तीखा हमला करते हुए कहा, 'आपने महात्मा गांधी के तीन बंदरों के बारे में सुना होगा, लेकिन आज इंडिया गठबंधन में तीन नए बंदर हैं, पप्पू, टप्पू और अप्पू।' उन्होंने आगे बताया, ष्पप्पू सच नहीं बोल सकता, टप्पू सही नहीं देख सकता और अप्पू सच नहीं सुन सकता। सीएम योगी ने कहा कि ये नेता एनडीए सरकार के तहत हुए विकास कार्यों को देख, सुन या बोल नहीं सकते, इसलिए ये गलत सूचनाएं फैलाते हैं। राजद–कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि उनके शासन में गरीबों को बुनियादी जरूरतों और कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा, ष्जब राजद ने कांग्रेस के समर्थन से बिहार पर शासन किया था, तब गरीबों को राशन और सरकारी योजनाओं से वंचित रखा गया था। 2005 से पहले, कांग्रेस या राजद के शासन में, अगर कोई गरीब बीमार पड़ता था, तो वह तड़प–तड़प कर मर जाता था, क्योंकि कोई चिकित्सा सुविधा नहीं थी। यूपी के मुख्यमंत्री ने कश्मीर को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उनकी नीतियों ने ही इसे एक विवादित क्षेत्र बना दिया। सीएम योगी ने कहा, ष्कांग्रेस ने ही कश्मीर को विवादित बनाया। आज पीएम मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक अभिनेता के बारे में खबर पढ़ी थी जो 27 साल बाद ही कश्मीर जा पाया। उन्होंने कहा, ष्यह कांग्रेस का पाप था कि हिंदुओं को कश्मीर छोड़ना पड़ा। अब मिथिला और बिहार के लोग भी वहाँ शांति से रह सकते हैं। सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर राम–विरोधी होने और हिंदू आस्था का अनादर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने कभी भगवान राम और माता जानकी के अस्तित्व पर सवाल उठाया था। उन्होंने लोगों की आस्था से खिलवाड़ किया और यहाँ तक कि सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर उनके अस्तित्व को नकार दिया।' उन्होंने आगे कहा कि राजद ने राम रथ यात्रा रोकने की कोशिश की और समाजवादी पार्टी ने अयोध्या में राम भक्तों पर गोलीबारी का आदेश देकर पवित्र नगरी को खून से लाल कर दिया।

अधिकारी लोगों की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निरस्तारण करें- मुख्यमंती शर्मा

एजेंसी।

नई दिल्ली। अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ काम करते हुए लोगों को राहत देंराजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने का सोमवार को निर्देश दिया। शर्मा ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई के दौरान दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया।मुख्यमंत्री ने कहा, "जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ काम करते हुए लोगों को राहत दें।"उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो।शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर संग्राम, 4 नवंबर को ममता बनर्जी उतरेंगी सड़कों पर

एजेंसी।

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है, जहाँ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 4 नवंबर को कोलकाता में एक विशाल विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगी। इस प्रक्रिया का विरोध करते हुए, तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग के फैसले पर आपत्ति जताई है, जिससे राज्य में चुनावी माहौल और गरमा गया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया का खुलकर विरोध किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी घोषणा की है कि वह अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए मंगलवार (4 नवंबर) को कोलकाता में एक वि शाल विरोधा मार्च का नेतृत्व करेंगी। चुनाव आयोग ने हाल ही में घोषणा की है कि अगले साल होने वाले चुनावों के मद्देनजर पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का दूसरा चरण चलाया जाएगा। यह SIR 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा। 9 दिसंबर को मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा और 7 फरवरी को अंतिम सूची जारी की जाएगी। शनिवार को कोलकाता और कई जिलों में बीएलओ प्रशिक्षण सत्रों के दौरान व्यवधान की खबरों के बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों ने आधिकारिक ड्यूटी की स्थिति, काम के घंटे और सुरक्षा कवर को लेकर आपत्तियां जताईं। बीएलओ के रूप में नियुक्त कई शिक्षकों ने आरोप लगाया कि उनके स्कूलों ने उन्हें प्रशिक्षण के घंटों के दौरान अनुपस्थित चिह्नित किया। उन्होंने मांग की कि उन्हें उन दिनों के लिए ड्यूटी पर चिह्नित किया जाना चाहिए। शिक्षकों ने प्रशिक्षण सत्रों के दौरान केंद्रीय सुरक्षा कवर की भी मांग की और चेतावनी दी कि वे पर्याप्त सुरक्षा के बिना काम नहीं करेंगे।

अजित पवार ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राकांपा की तैयारियों का जायजा लिया

एजेंसी।

महाराष्ट्र। सर्वेक्षण रिपोर्ट, अभियान टीम के संदर्भ में स्थानीय नेतृत्व को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। हमारा उद्देश्य हर स्तर पर संगठन को मजबूत करना और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छे परिणाम सुनिश्चित करना है।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने संगठन को मजबूत करने और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के प्रयासों के तहत सोमवार को मुंबई में अपनी पार्टी की जिला और ब्लॉक समितियों के साथ बैठकें कीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने एक बयान में कहा कि बैठकों में वर्तमान संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा, स्थानीय चुनौतियों की पहचान और राज्य व जिला नेतृत्व के बीच समन्वय में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। राज्य में बृहन्मुंबई नगर निगम सहित विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव जनवरी 2026 तक पूरे होने हैं। चर्चा के दौरान, राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने जिला और ब्लॉक समिति के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समाधान किया। उन्होंने कहा, राकांपा नेतृत्व स्थानीय निकाय चुनावों में राकांपा की बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट, अभियान टीम के संदर्भ में स्थानीय नेतृत्व को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। हमारा उद्देश्य हर स्तर पर संगठन को मजबूत करना और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छे परिणाम सुनिश्चित करना है।

'बेंजामिन बटन' की तरह हर रोज जवां दिखने वाले शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई - शशि थरूर

एजेंसी।

दिल्ली। राजनेता शशि थरूर ने शाहरुख खान के जन्मदिन पर उन्हें अनोखा शुभकामना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रविवार को अपना 60वां जन्मदिन मनाने वाले खान की उम्र बढ़ने की बजाए 'बेंजामिन बटन' की तरह घट रही है और वह हर दिन जवान हो रहे हैं।थरूर ने 2008 में आई ब्रैड पिट अभिनीत फिल्म का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी तरह से शाहरुख 60 साल के नहीं दिखाते। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में शाहरुख डेविड फिंचर निर्देशित 'द क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन' के नायक की तरह दिखाते हैं।उन्होंने लिखा, ''बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान को 60वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे यह 60 संख्या बहुत संदिग्ध लग रही है। थरूर ने लिखा, '' शाहरुख खान के 60 वर्ष के होने का दावा तथ्यात्मक रूप से मुझे सही नहीं लगता।''थरूर ने कहा कि जब शाहरुख 70 साल के हो जाएंगे, तब तक वह किशोर अवस्था की भूमिकाओं के लिए ऑडिशन दे रहे होंगे। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा, '' उनकी उम्र लगातार घट रही है और जब वह बाल कलाकारों की भूमिका निभाएंगे, तब तक मैं संभवतः यहां नहीं रहूंगा।''थरूर ने आगे लिखा,'' इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं! शाहरुख, ऐसे ही आप भौतिकी और जीव विज्ञान को चकमा देते रहें और अपनी उम्र को लेकर हम सब को भुलावे में डाले रहें।

भाई तेजस्वी पर बरसे तेज प्रताप मेरे गढ़ में सेंध लगाना महंगा पड़ेगा, जनशक्तिकी लहर

एजेंसी।

पटना बिहार। तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के महुआ में चुनाव प्रचार पर नाराजगी व्यक्त की, जबकि उन्हें उम्मीद थी कि तेजस्वी वहां रैली नहीं करेंगे। उन्होंने तेजस्वी पर महुआ रैली में लाठीचार्ज का आरोप लगाया और राघोपुर में अपने जनशक्ति जनता

दल के उम्मीदवार के लिए प्रचार कर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को गहरा किया। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक और राजद से निष्कासित नेता तेज प्रताप यादव ने सोमवार को अपने भाई तेजस्वी यादव पर महुआ में महागठबंधन उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने के लिए निशाना साधा। तेज प्रताप ने कहा कि उन्हें लगता है कि तेजस्वी महुआ में रैली करने से परहेज करेंगे, जहाँ से तेजस्वी चुनाव लड़ रहे हैं, और इसीलिए उन्होंने राघोपुर में प्रचार करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि मुझे लगा था कि तेजस्वी यहाँ प्रचार के लिए नहीं आएंगे। हालाँकि, इससे कोई फर्क नहीं पड़ताकृमुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। राघोपुर की मेरी यात्रा निश्चित रूप से प्रभाव डालेगी। आखिरकार, कृष्ण के बिना अर्जुन नहीं जीत सकता। तेज प्रताप ने यह भी आरोप लगाया कि महुआ में तेजस्वी की रैली के दौरान लोगों पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने आगे कहा, ष्तेजस्वी दावा करते हैं कि राजनीतिक दल से बड़ा कुछ नहीं है, लेकिन यह सच नहीं है। जनता पहले आती है।

जम्मू कश्मीर को बांटने की चाहत रखने वाले आज नाकाम रहे फारुक अब्दुल्ला

एजेंसी। जम्मूकश्मीर । जनता की मांगों को पूरा करने के मुद्दे पर अब्दुल्ला ने कहा कि लंबे समय से की जा रही 'दरबार स्थानांतरण' की मांग पूरी हो गई है और विश्वास व्यक्त किया कि अन्य मांगें भी ''अगले चार वर्षों के भीतर धीरे–धीरे'' पूरी हो जाएंगी। 'दरबार स्थानांतरण' परंपरा की एक बार शुरुआत होने पर जम्मू में फिर से सरकारी कार्यालयों के खुलने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि ''जम्मू कश्मीर को बांटने की चाहत रखने वाले नाकाम रहे हैं''। अब्दुल्ला ने यहां कार्यालयों के फिर से खुलने के अवसर पर पत्रकारों से कहा कि केंद्र शासित प्रदेश एकजुट है और इसे सामूहिक रूप से विकास की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जम्मू कश्मीर को अलग करने की चाहत रखने वाले आज विफल हो गए हैं।''उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के सभी हिस्से ''एक'' हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने वालों को ''राजनीति छोड़ देनी चाहिए'' और इसके बजाय लोगों के कल्याण एवं केंद्र शासित प्रदेश के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू भी प्रगति करेगा और उम्मीद जताई कि सचिवालय के आने से उसे ''अधिक से अधिक लाभ'' मिलेगा। उन्होंने कहा, ''इस (पूर्ववर्ती) राज्य को फिर से उठ खड़ा होना होगा। यह युद्धों सहित कई विनाशों से उबर चुका है तथा हमें मिलकर इसका पुनर्निर्माण करना होगा और इसे विकास की ओर ले जाना होगा।''अब्दुल्ला ने इस कदम का स्वागत करने के लिए 'चौंबर ऑफ कॉमर्स' और लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''मैं जम्मू के हर उस शख्स का आभार व्यक्त करता हूं जिसने इस कदम का समर्थन किया।''जैसे ही मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला रेजीडेंसी रोड और रघुनाथ बाजार से गुजरे 'जम्मू चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' सहित विभिन्न व्यापारी संघों ने उनका भव्य स्वागत किया और 2021 में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा रोकी गई वर्षों पुरानी परंपरा को फिर से शुरू करने के उनके फैसले की सराहना की।महाराजा हरि सिंह द्वारा शुरू की गई 'दरबार स्थानांतरण' की परंपरा को एक ''बड़ा कदम'' बताते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह कदम जम्मू कश्मीर के लोगों के बीच एकता को दर्शाता है।

सुप्रिया सुले ने मृत डाक्टर के परिजनों से मुलाकात की

एजेंसी।

मुम्बई। सुले ने सवाल उठाया कि चुनिंदा जानकारी कैसे सार्वजनिक की गई। राकांपा (एसपी) के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, ''जांच होने दीजिए। इतनी जल्दी क्यों है? जो भी दोषी है – चाहे वे कोई भी हो – दंडित किया जाना चाहिए। राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने सोमवार को उस महिला डॉक्टर के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने महाराष्ट्र के सतारा जिले में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। बीड में डॉक्टर के परिवार से मुलाकात के बाद सुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आग्रह किया कि घटना की जांच पूरी होने तक किसी को भी क्लीन चिट न दी जाए। उन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने की भी मांग की।सुले के साथ पार्टी सांसद बजरंग सोनवणे और पार्टी की युवा इकाई के अध्यक्ष महबूब शेख भी थे। बीड जिले की रहने वाली डॉक्टर को 23 अक्टूबर को सतारा के फलटन शहर में एक होटल के कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया था।अपनी हथेली पर लिखे एक 'सुसाइड नोट' में, उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी गोपाल बदाने ने उनके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत ने उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा था कि मुख्यमंत्री फडणवीस, जिनके पास गृह विभाग है, ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को तुरंत एक महिला आईपीएस अधिकारी के तहत एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। डॉक्टर के परिवार से मुलाकात के बाद सुले ने संवाददाताओं से कहा, ''इस मामले में कुछ सरकारी प्रतिनिधियों के बयान बेहद असंवेदनशील और परेशान करने वाले हैं। डॉक्टर महाराष्ट्र की सक्षम बेटी थी और उसे न्याय मिलना चाहिए। लोगों को लगता है कि मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन न्याय मिलने तक हम चुप नहीं रहेंगे।

लखनऊ पुलिस ने शुरू किया "आपरेशन पहचान", अब हर मकान मालिक को कराना होगा किरायेदारों का अनिवार्य सत्यापन

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी लखनऊ में बढ़ती आबादी, व्यापारिक गतिविधियों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी सेवाओं के विस्तार के साथ बाहरी जनपदों और राज्यों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार, शिक्षा और व्यक्तिगत कार्यों के लिए शहर में रह रहे हैं। इस स्थिति में कई बार यह पाया गया है कि कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपनी असली पहचान छुपाकर किराये के मकानों में ठहर जाते हैं और बाद में विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने और अपराध नियंत्रण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस ने "ऑपरेशन पहचान" नामक विशेष अभियान की शुरुआत की है।इस अभियान के तहत शहर के सभी मकान मालिकों को अपने किरायेदारों का पंजीकरण और सत्यापन कराना अनिवार्य किया गया है। लखनऊ पुलिस ने यह व्यवस्था इस प्रकार से बनाई है कि किरायेदारों के सत्यापन की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन हो चुकी है। मकान मालिक लखनऊ पुलिस की आधिकारिक वेबसाइ मोबाइल ऐप के माध्यम से किरायेदार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। आवेदन करने के बाद संबंधित थाना पुलिस टीम द्वारा भौतिक सत्यापन किया जाएगा।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मकान मालिक को यह प्रक्रिया मकान किराये पर देने से पहले या अधिकतम एक माह के भीतर पूरी करनी होगी। सत्यापन के दौरान मकान मालिक को किरायेदार से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे फोटो, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और स्थायी पता अपने पास सुरक्षित रखने होंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी किरायेदार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है और उसकी सूचना मकान मालिक द्वारा पुलिस को नहीं दी गई है, तो मकान मालिक के खिलाफ भी नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही यदि किसी विदेशी नागरिक को किराये पर मकान दिया जाता है, तो मकान मालिक को "फॉर्म–सी" भरकर इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को देना अनिवार्य होगा। इस पूरे अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण किया गया है कृ थाना और चौकी प्रभारी अपने क्षेत्रों के मकान मालिकों को सत्यापन के लिए प्रेरित करेंगे, सहायक पुलिस आयुक्त साप्ताहिक समीक्षा करेंगे, अपर पुलिस उपायुक्त पाक्षिक समीक्षा करेंगे और पुलिस उपायुक्त अपने–अपने जोन में मासिक समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।लखनऊ पुलिस ने सभी मकान मालिकों से यह भी अपील की है कि वे अपने किरायेदारों से चरित्र प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त करें। चरित्र प्रमाण पत्र के लिए भी लखनऊ पुलिस की वेबसाइट और यूपीकॉप ऐप पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि "ऑपरेशन पहचान" न केवल अपराध पर अंकुश लगाने में मदद करेगा बल्कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। इस डिजिटल सत्यापन प्रणाली से किरायेदारों की सटीक पहचान दर्ज होगी, जिससे अपराधियों पर निगरानी रखना और आपराधिक घटनाओं की रोकथाम करना और अधिक आसान हो जाएगा।लखनऊ पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस पहल में सहयोग करें और शहर को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाएं।

बीबीएयू के प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को 'इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवार्ड' से सम्मानित, स्प्रिंगर नेचर ने किया गौरवान्वित

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित 'इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवार्ड' (International Impact Award) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विश्वविख्यात वैज्ञानिक प्रकाशन समूह 'स्प्रिंगर नेचर' (Springer Nature) द्वारा प्रदान किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय शोध जगत में अपनी उच्च विश्वसनीयता और वैज्ञानिक योगदान के लिए जाना जाता है।प्रो. अरोड़ा वर्तमान में 'एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिट नामक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में कार्यरत हैं। यह पत्रिका पर्यावरणीय स्थिरता, सतत कृषि, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करती है।

स्प्रिंगर नेचर द्वारा वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई इस पत्रिका ने 2024 में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय इम्पैक्ट फैक्टर प्राप्त किया है, जो किसी भी शोध पत्रिका के वैश्विक प्रभाव और गुणवत्ता का सूचक होता है। केवल सात वर्षों के भीतर इस जर्नल ने अंतरराष्ट्रीय शोध समुदाय में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यह उपलब्धि संपादकीय टीम के सतत प्रयासों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उत्कृष्ट संपादन गुणवत्ता का परिणाम है।सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि, "स्प्रिंगर नेचर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ जुड़कर 'एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाना मेरे लिए गर्व का विषय है। केवल सात वर्षों में जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर हासिल करना हमारी टीम की मेहनत और गुणवत्ता–आधारित शोध के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मेरे लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।"उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीबीएयू में शोध और नवाचार का जो प्रेरणादायक वातावरण है, वही इस उपलब्धि की नींव है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान में निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहा है, जिसका परिणाम आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के रूप में सामने आया है।इस सम्मान की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय परिसर में प्रसन्नता का माहौल रहा। शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रो. अरोड़ा को इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।यह उपलब्धि न केवल प्रो. अरोड़ा के व्यक्तिगत समर्पण का प्रतीक है, बल्कि बीबीएयू के बढ़ते वैश्विक शोध प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक और सशक्त कदम भी है।

लखनऊ में आज से शुरू हुआ 'यातायात माह,सड़क सुरक्षा माह' अभियान

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आज से "यातायात माह ६ सड़क सुरक्षा माह" का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था ने हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, ट्रैफिक कर्मियों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।अभियान के अंतर्गत पूरे नवंबर माह में पुलिस द्वारा विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें यातायात नियमों पर कार्यशालाएं, रैलियां, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, स्कूल–कॉलेजों में विशेष सत्र, सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर एवं बैनर प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को यह संदेश दिया जाएगा कि सुरक्षित यात्रा केवल नियमों के पालन से ही संभव है।संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी को यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन संचालन से परहेज, मोबाइल फोन का प्रयोग न करना और पैदल यात्रियों के अधिकारों का सम्मान करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।पुलिस विभाग ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जहां लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा, वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर तक लाना है।लखनऊ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि शहर की सड़कों को सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता- मंत्री ए.के. शर्मा

लखनऊ(आरएनएस)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने सोमवार को अपने लखनऊ स्थित कैंप कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने अपनी शिकायतें मंत्री के समक्ष रखीं, जिनमें प्रमुख रूप से विद्युत आपूर्ति, बिल सुधार, ट्रांसफार्मर परिवर्तन, सड़क निर्माण, जल निकासी, सीवरेज व्यवस्था, पार्कों के रखरखाव और नगर निगम सेवाओं से संबंधित मुद्दे शामिल थे।मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अधिकारी जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाएं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जनपद सुल्तानपुर से आए एक फरियादी की शिकायत पर मंत्री शर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल से फोन पर बात की और समस्या के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत बिना निस्तारण के लंबित नहीं रहनी चाहिए, क्योंकि जनता की सुविधा ही सरकार की जिम्मेदारी है।जनसुनवाई के दौरान मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए और प्रत्येक मामले की अद्यतन स्थिति कार्यालय में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि पारदर्शिता और

जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी मैदानी स्तर पर नियमित भ्रमण करें और जनता की समस्याओं की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करें।मंत्री शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह जनता और शासन के बीच संवाद और विश्वास का मजबूत माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका समाधान व्यावहारिक और स्थायी रूप में किया जाए।इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, अधिशासी अधिकारी, नगर निगम प्रतिनिधि तथा संबंधित अनुभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रताप मार्केट व्यापार मंडल एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न, व्यापारियों ने एकता और सेवा का लिया संकल्प

लखनऊ(आरएनएस)। 3 नवम्बर 2025, दिन सोमवार को लखनऊ व्यापार मंडल की इकाई प्रताप मार्केट व्यापार मंडल एसोसिएशन का भव्य शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल और युवा सशक्त महामंत्री सुमित गुप्ता की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। इसके अलावा राकेश छाबड़ा, जितेंद्र सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्र ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित टीम में अध्यक्ष विजय कुमार, वरिष्ठ महामंत्री अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकरण अरोड़ा, उपाध्यक्ष अवतार सिंह, रविन्द्र पाल सिंह, बलवीर सिंह अरोड़ा, भूपेन्द्र सिंह सलूजा और राजीव गुप्ता शामिल रहे। वरिष्ठ

मंत्री के रूप में अनिल गुलानी, मंत्री के रूप में सुरेश खत्री, प्रमोद अग्रवाल, सौरभ राजवानी और तरन बलजीत सिंह ने पद ग्रहण किया। संगठन मंत्री की जिम्मेदारी राजकुमार अग्रवाल को दी गई जबकि प्रचार मंत्री का दायित्व शालू भाई को सौंपा गया।समारोह के बाद अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार मंडल एक ऐसा सशक्त मंच है जो व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करता है। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं तथा व्यापारी हितों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं।चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी एकता और अनुशासन में है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, सेवा भाव और पारदर्शिता ही किसी भी संगठन की सफलता के मूल स्तंभ होते हैं। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहें और समाज के विकास में योगदान दें।समारोह के समापन पर सभी पदाधिकारियों ने संगठन की मर्यादा बनाए रखने, व्यापारी हितों की रक्षा करने और समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि वे संगठन को सशक्त और एकजुट बनाने में अपना पूरा सहयोग देंगे। समारोह सौहार्द और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना तय - अखिलेश यादव

पटनाध्लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार विशाल चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने पूर्वी चम्पारण के कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी मनोज यादव, सिवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में ओसामा साहब, महराजगंज विधानसभा क्षेत्र में विशाल कुमार जायसवाल और कैमूर जिले के भभुआ विधानसभा क्षेत्र में अजीत सिंह के समर्थन में जनता से भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की।अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार की जनता इस बार महागठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का सफाया होना तय है, क्योंकि जनता अब भ्रष्टाचार, झूठ और लूट के बंडलराज से मुक्ति चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बजट की लूट कर बिहार का पैसा बाहर भेजती रही है, जबकि महागठबंधन उस लूट को रोककर बिहार का पैसा बिहार के विकास में लगाएगा।उन्होंने कहा कि भाजपा की पहचान झूठ और भ्रष्टाचार से है। किसानों और नौजवानों से झूठे वादे किए गए, पर पूरा कोई नहीं हुआ। जब तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री थे, तब युवाओं को नौकरियां मिल रही थीं और विकास की नई लहर उठी थी। भाजपा को

यह रास नहीं आया और उसने साजिश कर सरकार गिरा दी। अखिलेश ने कहा कि इस बार जनता भाजपा को जवाब देगी, क्योंकि बिहार में बदलाव की बयार चल चुकी है।अखिलेश यादव ने कहा कि नया बिहार बनेगा, जहां हर घर में नौकरी और खुशहाली होगी। तेजस्वी यादव हर परिवार को रोजगार देंगे, माताओं–बहनों को 2500 रुपये प्रतिमाह, गैस सिलेंडर 500 रुपये में और 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। जीविका दीदियों को तीस हजार रुपये प्रतिमाह की आय सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ महंगाई बढ़ाने, डीजल–पेट्रोल और जीएसटी लगाकर व्यापार बर्बाद करने का काम करती रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां हर मोर्चे पर असफल रही हैं कृ चाहे विदेश नीति हो या आर्थिक नीति। अमेरिका के दबाव में भाजपा सरकार ने दूध और दही के आयात पर गुप्त समझौता किया है, जो भारतीय परंपरा और स्वावलंबन के विरुद्ध है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "गोरखपुर में गोरखधंधा चलाने वाले एकरंगी जी क्या अब अमेरिकी नॉनवेज दूध–दही खाएंगे?"पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि देश के भविष्य और नौजवानों के रोजगार का चुनाव है। भाजपा को सत्ता से हटाना ही देश को बचाने का रास्ता है। भाजपा जाएगी तभी नौकरी आएगी। अब बिहार से नौजवान नहीं, भाजपा का पलायन होगा।अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के एकरंगी नेता नाम, वेशभूषा और पार्टी सब कुछ बदलते रहे हैं, लेकिन जनता अब उन्हें बदलने के लिए तैयार है। उन्होंने गोरखपुर में सड़कों के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार को लेकर भी हमला बोला और कहा कि भाजपा ने सड़कों में भी लूट मचा रखी है।उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे जैसी सड़कों से देश को आधुनिकता की दिशा दी, जबकि भाजपा सिर्फ नकल करती है कृ वह भी बिना अकघ्ल के। भाजपा की सड़कों पर चलने से पेट और पीठ दर्द होने लगता है।अखिलेश ने कहा कि बिहार का यह चुनाव "नौकरी बनाम भाजपा" है। एक तरफ तेजस्वी यादव का रोजगार देने वाला विजन है और दूसरी तरफ भाजपा का झूठा प्रचार। उन्होंने कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और भाजपा की हार लिख चुकी है।उन्होंने रघुनाथपुर में ओसामा साहब के समर्थन में कहा कि यह चुनाव नए विचारों और युवाओं की राजनीति को आगे बढ़ाने का अवसर है। नौजवान विधायक बनेगा, नौजवान मुख्यमंत्री बनेगा और नया बिहार बनेगा।अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में समाजवादी और लालू प्रसाद यादव की परंपरा ने सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत किया है। इस बार गठबंधन की सरकार बनाकर बिहार में फिर से सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। उन्होंने घोषणा की कि तेजस्वी यादव बिहार में और समाजवादी पार्टी 2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाकर दोनों राज्यों को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जोड़ेंगे, जिससे दिल्ली तक सीधा संपर्क, उद्योग और व्यापार का नया युग शुरू होगा।उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार में महागठबंधन की लहर चल रही है और इस हवा के सामने भाजपा कहीं नहीं टिक पाएगी।

किसान अब फसल नहीं, अपनी जान बचाने की लड़ाई लड़ रहा है - विनय पटेल

लखनऊ(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश का

किसान इस समय खाद की किल्लत और फसल बर्बादी की दोहरी मार झेल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से किसान खाद के लिए घंटों लाइनों में खड़े हैं, कई जिलों में तो इस अफरा–तफरी में किसानों की मौत तक हो चुकी है, लेकिन सरकार बेपरवाह बनी हुई है। अब जब गेहूं की बुवाई का समय शुरू हो गया है, तब भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।विनय पटेल ने कहा कि हाल की बारिश और आंधी से पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्रों में किसानों की फसलें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं। झांसी, हमीरपुर और महोबा से किसानों की आत्महत्याओं की खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार केवल मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा, "किसान अब फसल नहीं, अपनी जान बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।"उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वे कराकर किसानों को ध्20,000 प्रति एकड़ मुआवजा दे, जैसा कि पंजाब सरकार ने किया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि किसानों की समस्याएं यहीं खत्म नहीं हो रहीं कृ धान की फसल तैयार है लेकिन सरकारी क्रय केंद्र बंद पड़े हैं। किसान अपने घरों पर 100 से 200 क्विंटल धान रखे हैं, मगर उन्हें 2369 के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बजाय मजबूरी में 1600 से 1700 प्रति क्विंटल की दर से बेचना पड़ रहा है।विनय पटेल ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियाँ किसानों को बिचौलियों के हाथों लुटवा रही हैं और यह स्थिति प्रदेश के कृषि तंत्र की विफलता को उजागर करती है। उन्होंने सरकार से दो प्रमुख मांगें रखीं कृ पहली, फसल बर्बादी पर 20,000 प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए, और दूसरी, 10 दिनों के भीतर सभी सरकारी क्रय केंद्र चालू किए जाएं ताकि किसानों को उनके धान का उचित मूल्य मिल सके।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द नहीं किया तो आम आदमी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। प्रेस वार्ता के समापन पर उन्होंने कहा कि अब किसान जाग चुका है और आम आदमी पार्टी उसकी आवाज बनकर मैदान में उतरेगी। विनय पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा, "यह लड़ाई सिर्फ फसल की नहीं, बल्कि किसान के भविष्य की है।"

महापौर सुषमा खर्कवाल ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, नगर निगम मुख्यालय में जनता दरबार आयोजित

लखनऊ(आरएनएस)। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को आयोजित जनता दरबार में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए दो सौ से अधिक नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर सुषमा खर्कवाल के समक्ष रखीं। नागरिकों ने मुख्य रूप से साफ–सफाई, जलभराव, मार्ग प्रकाश, सीवर लाइन, नाली निर्माण, संपत्ति कर तथा अतिक्रमण जैसी जनसमस्याओं से संबंधित शिकायतें दर्ज कराईं।महापौर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को संबंधित विभागों के माध्यम से शीघ्र और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक अधिकारी को जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हुए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए।जनता दरबार के दौरान कई शिकायतों का निस्तारण वहीं पर कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों को आगे की कार्रवाई हेतु संबंधित जोनों को प्रेषित किया गया। महापौर ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए जनता दरबार नियमित रूप से सोमवार से शुक्रवार तक आयोजित किए जाएंगे, ताकि लोग अपनी समस्याएं सीधे नगर निगम प्रशासन के समक्ष रख सकें।कार्यक्रम के दौरान पार्षदगणों और गणमान्य नागरिकों ने भी महापौर से शिष्टाचार भेंट की तथा शहर के विकास, सफाई व्यवस्था और सौंदर्यीकरण से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

भारत की चमक-धमक और ताकत देख रही पूरी दुनिया- नंदी

सुलतानपुर(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने सुल्तानपुर में कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक नक्शे पर अब पूर्वांचल भी तेजी से उभर रहा है।सुल्तानपुर,अमेठी,प्रतापगढ़ और अयोध्या जैसे जिलों में औद्योगिक निवेश की नई संभावनाएँ खुल रही हैं।मंत्री नन्दी ने रविवार रात को शहर के एक निजी कार्यक्रम में पहुंचने पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे एवं लखनऊ– वाराणसी राजमार्ग पर असरोगा के निकट प्रस्तावित औद्योगिक गलियारों की स्थापना के लिए 50 से 80: भूमि अधिग्रहण कर काश्तकारों को मुआवजे की धनराशि दी जा चुकी है।उन्होंने बताया कि भारत में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश सबसे अच्छा राज्य बनकर उभरा है। तमाम बड़ी कंपनियां, इंटरनेशनल कंपनियां व बड़े–बड़े औद्योगिक घराने उत्तर प्रदेश में इंडस्ट्री स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल,पश्चिमांचल,मध्यांचल के साथ– साथ हम बुंदेलखंड को 45 वर्षों के बाद नोएडा की तर्ज पर वीडा बनाकर बड़ा औद्योगिक क्षेत्र बना रहे है। उन्होंने बताया कि पहली बार हुई इन्वेस्टर समिट की बैठक में 33 लाख 50 हजार करोड़ का एएमयू साइन हुआ था।उसके बाद जो बढ़कर अब 50 लाख करोड़ पार कर गया है। इस वृद्धि ने यह बता दिया है कि हमने निवेशकों का भरोसा और विश्वास जीता है। उसमें से हम 10 लाख करोड़ ग्राउंड बेकिंग सेरेमनी कर चुके हैं।आज भारत

दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था है और तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए राहुल गांधी के श्56 इंचश की छाती के डरपोक वाले बयान पर कहा कि राहुल गांधी को पूरे देश ने पप्पू की उपाधि दी है। उन्होंने राहुल के बयानों में निरंतरता की कमी पर तंज कसते हुए कहा वह सुबह, दोपहर और शाम को क्या बोलते हैं और चुनाव बाद फिर कहां गायब हो जाते हैं यह छोटे–छोटे बच्चों को भी पता है।उन्होंने पीएम की सराहना करते हुए कहा उन्होंने देश को दुनिया की सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा आज पूरी दुनिया में पासपोर्ट की वैल्यू बड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की चमक–धमक और ताकत को पूरी दुनिया देख रही है।उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा पर बात करते हुए क्या जब–जब दुश्मनों ने दुस्साहस किया तब भारत ने सर्जिकल व एअर स्ट्राइक और हाल में ही ऑपरेशन सिंदूर से दुश्मन को उनकी कोख में दफन करने का काम किया है। औद्योगिक मंत्री के सुलतानपुर पहुंचने पर जिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधान,भाजपा मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी, हिमांशु गुप्ता,मुकेश अग्रहरि समेत तमाम लोगों ने उनका स्वागत किया।

फसल नुकसान पर कांग्रेस का प्रदर्शन, खराब हुई फसलों के लिए मुआवजे की मांग

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले में सोमवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने बेमौसम बारिश से खराब हुई फसलों के मुआवजे की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। शहर अध्यक्ष शकील अहमद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।ज्ञापन में बताया गया कि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है और सुल्तानपुर जनपद की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश ने धान, आलू, हरी सब्जियों और तिलहन की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों को बड़े पैमाने पर आर्थिक क्षति हुई है। कांग्रेस ने मांग की है कि किसानों को हुए फसल नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। शकील अहमद ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे वे अत्यंत दुखी और मानसिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों की क्षतिपूर्ति के लिए सहयोग का

आग्रह किया। वही एसआईआर को लेकर शकील ने कहा हम आपको बताना चाहते हैं बिहार के तरीके से उत्तर प्रदेश में नहीं होने पाएगा। क्योंकि हम बूथ स्तर पर बीएलए 1, बीएलए 2 नियुक्त कर चुके हैं। यहां पर खेल नहीं होगा। हम लोग पूरी तरह से तैयार हैं और घर–घर जाएंगे इसका जो पूरी तरीके से प्रक्रिया है अपनाएगे। इस प्रदर्शन में सुब्रत सिंह सनी, मोहित तिवारी, मानस तिवारी, सलाउद्दीन हाश्मी, शरद श्रीवास्तव, असलम अंसारी, इमरान अहमद, रणजीत सिंह सलूजा, मो. अतीक, मो. नसीम और हामिद राइन सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दास्तानगोई में उभरी शहीद अशफाक उल्ला खां के जीवन की कहानी

-इप्टा लखनऊ के दास्तानगो शहजाद रिजवी व फरजाना मेंहदी ने दी शानदार प्रस्तुति

अयोध्या।(आरएनएस) अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर शहीद अशफाक उल्ला खां के जीवन पर आधारित दस्तानगोई का आयोजन किया। नारायण दास खत्री अध्ययन केंद्र रीडगंज में आयोजित कार्यक्रम में इप्टा लखनऊ के दास्तानगो शहजाद रिजवी तथा फरजाना मेंहदी ने शानदार प्रस्तुति किया। उन्होंने शहीद नगरी शाहजहांपुर से शुरुआत करते हुए 1857के शहीद मौलवी अहमद उल्ला शाह की शहादत और गद्दारों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद अशफाक उल्ला खां की तस्वीर पर माल्यार्पण से की गई। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने आयोजन का उद्देश्य तथा किस्सागोई के लेखक और किस्सागो का परिचय दिया। उन्होंने काकोरी एक्शन पर विस्तृत विचार भी व्यक्त किया। दोनों किस्सागो ने अशफाक के जीवन पर आधारित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से अभिनय सहित प्रकाश डाला। सभी श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा किया। किस्सागो द्वय ने काकोरी एक्शन में उनके योगदान और उनके संगठन के उद्देश्यों की सजीव चित्रण किया। श्रोताओं की आंखें नम हो गई। पूरे प्रस्तुतीकरण के दौरान उपस्थित लोगों में अभूतपूर्व शांति बनी रहीं। इस प्रकार से देश के क्रांतिकारी इतिहास को संजोए रखने का यह अनूठा प्रयोग कामयाब रहा। इस तरह का नगर में पहला आयोजन था। इस अवसर पर स्वप्निल श्रीवास्तव, रघुवंश मणि,आर डी आनन्द, कृष्ण प्रताप सिंह, सुमन गुप्ता अयोध्या प्रसाद तिवारी,अतीक अहमद, ओमप्रकाश यादव, सत्यभान सिंह, उमेश सिंह, सुदीप गीता,जमशेद फैजाबादी, आशाराम जागरथ, विश्व प्रताप सिंह अंशू, विकास सोनकर, अब्दुल रहमान भोलू सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। भाकपा के जिला सचिव अशोक तिवारी ने नारायण दास खत्री अध्ययन केंद्र के आर के खत्री सहित सभी लोगों का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। संस्थान का अगला आयोजन 26 नवंबर को काकोरी एक्शन के दस्तावेजों की प्रर्दशनी का है।

श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन श्रद्धालुओं ने सुनी सुदामा चरित्र की अमृतवाणी

कूरेभार सुलतानपुर(आरएनएस)। कूरेभार हनुमानगढ़ी के पीछे गली में चल रही श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ के सातवें दिन का आयोजन भक्ति भाव से संपन्न हुआ। कथा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। व्यासपीठ से कथा वाचक ने सुदामा चरित्र का सुंदर वर्णन करते हुए बताया कि सच्चा मित्र वह होता है जो विपत्ति में भी अपने मित्र का साथ नहीं छोड़ता।कथा में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की बाल सखा के रूप में अद्भुत मित्रता का प्रसंग सुनाया गया, जिससे पूरा पंडाल भावविभोर हो उठा।व्यासजी ने बताया कि दोनों ने संदीपन मुनि के आश्रम में साथ शिक्षा ग्रहण की थी और यही से उनके मधुर संबंधों की शुरुआत हुई। इसके साथ ही कथा में महर्षि दधीचि के त्याग की प्रेरणादायक कथा का वर्णन हुआ, जिसमें उन्होंने देवताओं की सहायता के लिए अपने शरीर का दान कर वज्र जैसे दिव्य अस्त्र का निर्माण करवाया।आगे सुभद्रा चीर हरण प्रसंग और माँ देवकी के छ पुत्रों की वापसी की कथा ने भी श्रद्धालुओं को भावविह्वल कर दिया।

पुरानी रंजिश में परिवार पर हमला, अधेड़ और बेटे-बेटियों को लाठी-डंडों से पीटा, केस दर्ज

अखण्डनगरध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। अखण्डनगर में पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। खानपुर पिलाई गांव में पड़ोसी ने एक अधेड़, उनके बेटे और बेटियों पर लाठी–डंडों व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना हौसिला दूबे और उनके पड़ोसी दिलीप दूबे के परिवार के बीच जमीन पर कब्जा करने के विवाद को लेकर हुई। हौसिला दूबे के परिवार वालों ने जब जमीन पर कब्जे का विरोध किया, तो विपक्षीगणों ने उन पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया।हमले में हौसिला दूबे और उनके बच्चों को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल डायल 112 पुलिस की मदद से सीएचसी अखण्डनगर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें अम्बेडकरनगर रेफर कर दिया गया। पीड़ितों को कुल्हाड़ी से भी चोटें आई हैं और उनके हाथ–पैरों की हड्डियों में फ्रैक्चर बताया जा रहा है। आज जिला अस्पताल सुल्तानपुर में घायलों का मेडिकल कराया गया। अखण्डनगर थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा ने शुरू की विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की तैयारी

–बूथ स्तर पर सम्पर्क के लिए बनाई जाएंगी विशेष टोलियां –कमलेश श्रीवास्तव

अयोध्या(आरएनएस)। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने तय किया है कि कार्यकर्ता घर–घर जाकर नागरिकों को नए मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन के लिए जागरूक करेंगे। इसके लिए बूथ स्तर पर विशेष टोलियां बनाई जा रही हैं, जो मतदाताओं से संवाद स्थापित कर उन्हें आवश्यक प्रपत्र भरवाने में सहयोग करेंगी।इस अभियान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की संयुक्त अध्यक्षता में योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल और बूथ स्तर पर जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा हुई। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में अब 1200 मतदाताओं पर एक बूथ बनाया जाएगा, जबकि पहले यह संख्या 1500 मतदाताओं पर थी। बूथों की संख्या बढ़ने से संगठन को और अधिक प्रभावी ढंग से मतदाताओं तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि हर घर सम्पर्क अभियान के लिए मंडल व बूथ पदाधिकारियों तथा बीएलए–2 की बैठक 8 नवम्बर को आयोजित की जाएगी, जिसमें अभियान को लेकर पदाधिकारियों की भूमिकाएं तय की जाएंगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि "भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान में हर कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। बूथ ही चुनाव की शक्ति का मूल केंद्र है, इसलिए हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। तैयारी बैठक में अभियान कार्यक्रम संयोजक तिलक राम मौया, शैलेन्द्र कोरी, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, मुकेश तिवारी, रमेश पाण्डेय, वरूण चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, अमल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग की सेटिंग के चलते एक मेडिकल स्टोर सीज

बल्दीराय तहसील क्षेत्र के अन्य मेडिकल स्टोरो पर नहीं हुई कार्यवाही

सुलतानपुर(आरएनएस)। सीएमओ साहब की कैसी सेटिंग? बंद मेडिकल स्टोर का शटर उठाकर सीज किया गया जिसका वीडियो वायरल हुआ। ज्ञात रहे कि बल्दीराय तहसील क्षेत्र के चक टेरी गांव में एक बंद पड़े मेडिकल स्टोर को शटर उठाकर सीज करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, एसीएमओ टीम ने शुक्रवार को कुमार औषधि मेडिकल स्टोर को सील किया था, लेकिन अब यह सामने आया है कि स्टोर पहले से बंद था और कार्रवाई दिखाने के लिए शटर उठाकर सीज किया गया। वीडियो सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा तेज है कि स्वास्थ्य विभाग सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बल्दीराय, धनपतगंज, हरौरा, देहली बाजार, बहुरांवा, पारा, बल्लीपुर और तिरहुंत बाजार समेत कई स्थानों पर आज भी अवैध मेडिकल स्टोर, पैथोलॉजी और अस्पताल खुलेआम संचालित हो रहे हैं, लेकिन उन पर विभागीय कार्रवाई नहीं की जा रही है। क्षेत्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने दो माह पहले सीएमओ सुलतानपुर से इन अवैध मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों की जानकारी मांगी थी, लेकिन निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद जवाब नहीं दिया गया। अब सवाल उठ रहे हैं कि स्वास्थ्य विभाग सिर्फ चिन्हित एक मेडिकल स्टोर पर ही कार्रवाई क्यों कर रहा है? क्या बाकी अवैध प्रतिष्ठानों पर अधिकारियों की सेटिंग चल रही है। पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी ने रहस्य और गहरा दिया है,जबकि ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है।

वाद-विवाद और निबंध लेखन आयोजित

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सुल्तानपुर पुलिस लाइन सभागार में "नए आपराधिक कानूनों 2.0 अभियान" के अंतर्गत वाद–विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में यह कार्यक्रम "दण्ड से न्याय की ओर" अभियान का हिस्सा था। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु आरक्षियों में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इन नए कानूनों की गहन समझ विकसित करना था। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रशिक्षु आरक्षियों ने नए आपराधिक कानूनों की उपयोगिता, उनके प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं, निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने नए कानूनों के प्रावधानों, उद्देश्यों और समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षुओं की रचनात्मकता और विधिक समझ की सराहना की। इस अभियान के तहत जनपद के सभी थानों में नए कानूनों की प्रमुख धाराओं व प्रावधानों को सरल हिंदी में पोस्टर, हैंडबिल और ऑडियो–वीडियो क्लिप्स के माध्यम से जनता तक पहुँचाया जा रहा है। साथ ही, ग्राम सभाओं, स्कूलों, कॉलेजों और बाजारों में नुक्कड़ सभा व सेमिनार आयोजित कर लोगों को जीरो एफआईआर, ई–एफआईआर, समयबद्ध जांच, डिजिटल साक्ष्य और महिला–बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे नए आपराधिक कानूनों की जानकारी प्राप्त करें,

अपराध नियंत्रण में सहयोग करें और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन 112 पर तुरंत संपर्क करें। कार्यक्रम के दौरान नगर कोतवाल इंस्पेक्टर धीरज कुमार, महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर हंसमती, इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र अग्निहोत्री, इंस्पेक्टर अमित मिश्रा सहित कई पुलिस अधिकारी और ट्रेनी आरक्षी मौजूद रहे।

फार एवर लान में 16 को मनाया जाएगा वीरांगना ऊदा देवी व झलकारीबाई का शहीदी सम्मान दिवस

अयोध्या(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या के फॉर एवर लॉन में वीरांगना ऊदा देवी पासी व झलकारीबाई कोरी का शहीदी सम्मान दिवस 16 नवंबर को मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व फैजाबादध्अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद शिरकत करेंगे। शनिवार को समाजवादी पार्टी अनुसूचित प्रकोष्ठ के मिल्कीपुर विधानसभा के अध्यक्ष सोहनलाल रावत की अध्यक्षता में सहादतगंज सांसद आवास पर कार्यक्रम की तैयारी बैठक आयोजित की गई। तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने लखनऊ के सिकंदराबाद चौराहे पर 16 नवंबर को 36 अंग्रेजों को मार गिराया था इसके बाद अंग्रेज ब्रिगेडियर ने पेड़ पर बैठी वीरांगना ऊदा देवी पासी को गोली मार दी थी उनके बलिदानी दिवस के सम्मान में और झलकारी बाई कोरी, संत रविदास और कई महापुरुषों व संतों के सम्मान में 16 नवंबर को फॉर एवर लॉन में सम्मान दिवस आयोजित किया जा रहा है। तैयारी बैठक में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता व समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। अयोध्या जनपद के प्रत्येक गांव से लोग निकलकर 16 नवंबर को आयोजित होने वाले सम्मान दिवस में पहुंचेंगे। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडे ने बताया कि 9 नवंबर को पुणे सहादतगंज सांसद आवास पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष ओपी पासवान, राम जी पाल,प्रहलाद रावत,सुनील कोरी, राम सतन कोरी, रमेश रावत,राजू कन्नौजिया प्रधान, श्यामलाल,राम अभिलाष सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डॉ.वैभव ने सफल सर्जरी का बना दिया इतिहास

कामयाब सर्जनों की फहरिस्त में एक नाम और जुड़ा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। अपने हुनर से अचरज पैदा करने वाले वाले डॉ. वैभव शर्मा ने जनपद को रविवार को श्री गोविन्दम् मल्टीस्पेशियलिटी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेंटर समर्पित करते हुए कहाकि माता–पिता व पूर्वजों से मिले संस्कार और गुरुजनों से मिले हुनर का उपयोग शत–प्रतिशत मरीजों की सेवा ही ध्येयवाक्य होगा। डॉ. वैभव शर्मा मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर के सबसे सफल सर्जनों में शुमार हैं, सौम्य और शालीन व्यक्तित्व के धनी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति समर्पित रहने वाले डॉ. वैभव शर्मा सफल सर्जरी के हस्ताक्षर माने जाते है, रविवार को एचपी पेट्रोल पंप के पीछे, प्रयागराग रोड़ स्थित श्री गोविन्दम् मल्टीस्पेशियलिटी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेंटर के वैदिक उद्घाटन पर जनपद की नामचीन हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिला, पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी ध्ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. आरपी सिंह, डॉ.एसके गोयल, डॉ. निशीकांत गुप्ता, डॉ रवि पांडेय सहित दर्जनों डाक्टर, समाजसेवी सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही, श्री गोविन्दम् मल्टीस्पेशियलिटी हास्पिटल एण्ड ट्रामा सेंटर में समस्त प्रकार की सर्जरी, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, नेत्र सर्जरी, स्त्री रोग से संबंधित सेवाओ के साथ सभी प्रकार की जांच, परामर्श एवं ईलाज की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. वेद प्रकाश शर्मा, डॉ शिवांगी शर्मा (सर्जन) सहित एक्सपर्ट डाक्टरों का पैनल मरीजों की जांच–पड़ताल दवा–ईलाज व बेहतर परामर्श के लिए सदैव उपलब्ध रहेगा।

टैक्स अशफिस पहुँचे नगर आयुक्त, दिए सख्त निर्देश

-बसूली मे लापरवाही पर होंगी कार्यवाही

(मथुराध्वृन्दावन)(ए.के.शर्मा)

सोमवार को वृन्दावन जोन स्थित कर विभाग का नगर आयुक्त जग प्रवेश ने सघन औचक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने नगर के अनावासीय भवनों के विवरण से सम्बन्धित रजिस्टर जीआईएस सर्वे के आधार पर जारी मांग बिलों पर भवन स्वामियों द्वारा प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण सम्बन्धी रजिस्टर विद्युत विभाग से प्राप्त कनेक्शन विवरण के अनुसार अनावासीय भवनों के चिन्हांकन सम्बन्धी अभिलेखों सहित कर विभाग से सम्बन्धित अन्य पत्रावलियों एवं विभागीय कार्यों का विस्तृत अवलोकन

किया। नगर आयुक्त को ऑफिस में यकायक देख कर्मचारी हड़बड़ा गए।

संपूर्ण अभिलेखों के निरीक्षण उपरांत नगर आयुक्त ने विभागीय कार्यों पर संतोष व्यक्त किया तथा कर वसूली एवं अभिलेख संधारण में और अधिक सुधार लाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पत्तिकर की वसूली निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप की जाए एवं बकायेदार भवन स्वामियों के विरुद्ध चरणबद्ध एवं नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि राजस्व वसूली में निरंतर प्रगति बनी रहे।

नगर आयुक्त ने विशेष रूप से यह भी निर्देश दिए कि सभी अभिलेखों को नियमावली के अनुरूप संरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संधारित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अभिलेखों की बाइंडिंग कराकर उन्हें सुरक्षित रखा जाए जिससे विभागीय रिकॉर्ड की सटीकता पारदर्शिता एवं दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित हो सके।निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक कर निर्धारण अधिकारी अरविन्द्र यादव एवं कर अधीक्षक हरिकृष्ण प्रसाद गुप्ता उपस्थित रहे।

सुरेन्द्र प्रताप सिंह बने उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष

अयोध्या(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक जायसवाल ने पूर्व सांसद डॉक्टर निर्मल खत्री की संस्तुति पर युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह को अयोध्या जनपद उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है, श्री जायसवाल ने अपेक्षा की है। सुरेंद्र प्रताप सिंह उद्योग व्यापार संगठन से ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों को जोड़कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाते हुए श्री राहुल गांधी के नेतृत्व को बल प्रदान करेंगे।

बारिश में खराब हुई सड़क, मलिकपुर-वजूपुर मार्ग पर गड्ढों से आवागमन बाधित

भदैंयाध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। भदैया विकासखंड के ग्राम पंचायत मलिकपुर से वजूपुर गांव को जोड़ने वाली लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क पहली बारिश में ही खराब हो गई है। सड़क पर जगह–जगह गहरे गड्ढे हो जाने के कारण यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क मलिकपुर से करोमी, डडवा, अहिरौली, भटपुरवा, नखराही और हड़ाही जैसे कई गांवों को जोड़ती है। अनुमान है कि इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 5000 लोग यात्रा करते हैं। सड़क की खराब हालत के कारण ई–रिक्शा, फोर–व्हीलर और टू–व्हीलर चालकों को विशेष रूप से दिक्कतें आ रही हैं। गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। गांव के शाहनवाज, करन, शिक्षक इंद्रेश यादव, एडवोकेट भयंदरजीत यादव और श्यामानंद दुबे जैसे ग्रामीणों ने सड़क की खराब गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि हाल ही में बनी कई सड़कें एक भी बारिश नहीं झेल पाईं और ध्वस्त हो गईं, क्योंकि उन पर रोलर नहीं चला। ग्रामीणों ने लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता की जांच के लिए जनप्रतिनिधि कभी क्षेत्र का दौरा नहीं करते, शिकायत करने पर भी वे नहीं आते। ग्रामीणों ने इस सड़क का तत्काल निर्माण कार्य करवाने की मांग की है ताकि उनकी समस्याएं दूर हो सकें।

मोरंग उतारते समय टेलर पलटा, बची कई जिंदगियां

दोस्तपुर सुल्तानपुर (आरएनएस)। दोस्तपुर कस्बे में एक बड़ा हादसा टल गया। दोस्तपुर–सूरापुर रोड पर अंबेडकर पार्क के पास मोरंग खाली करते समय एक टेलर अचानक पलट गया। यह घटना रविवार को हुई, जिससे एक बड़ा जनहानि का खतरा टल गया। बताया जा रहा है कि टेलर असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिसकी चपेट में एक मोटरसाइकिल भी आ गई। हादसे के समय तेज आवाज हुई, जिससे आसपास अफरा–तफरी मच गई। घटनास्थल के ठीक सामने 'कम्प्यूटर साइंस एंड कोचिंग क्लासेस डिजिटल सेवाएं' नामक एक बड़ा कोचिंग संस्थान है। आम दिनों में यहां सैकड़ों छात्र पढ़ाई करते हैं। सौभाग्य से, रविवार होने के कारण कोचिंग बंद थी, जिससे कई मासूम जिंदगियां बच गईं और एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि यह हादसा किसी कार्यदिवस पर होता, तो टेलर पलटने से बड़ी जनहानि हो सकती थी, क्योंकि उस समय सड़क पर और कोचिंग सेंटर के आसपास छात्रों की काफी आवाजाही रहती है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और टेलर को हटाने का काम शुरू किया। इस दौरान सड़क के एक हिस्से पर जाम की स्थिति बनी रही। मोरंग के नीचे दबी मोटरसाइकिल को ग्रामीणों और जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों के संचालन पर सख्त निगरानी रखी जाए, क्योंकि यह क्षेत्र भीड़भाड़ वाला है और पास में कई शिक्षण संस्थान भी हैं। हादसे में किसी के हताहत न होने से बड़ी राहत मिली है।

सूना रहा बलिदानी कारसेवकों का समाधि स्थल

–बलिदान दिवस पर चन्द भाजपाइयों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्या(आरएनएस)। आखाड़ा परिसर स्थित बलिदानी कारसेवक समाधि स्थल पर 2 नवम्बर 1990 में बलिदान हुए कारसेवको को याद कर पुष्पांजली व भावभीनी श्रद्धांजली के साथ श्रद्धा–सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता दिनेश जायसवाल एवं राजीव शुक्ला नेता द्वय ने संयुक्त रूप से कहा कि जिन राम–भक्तां ने प्रभु श्रीराम जन्म भूमि मुक्ति अंदोलन में अपने प्राणों की आहुतियां दी उनको याद करना हम सभी के लिए परम् सौभाग्य की बात है। उन महान आत्माओं के अथक संघर्षा का ही सुखद परिणाम है कि आज प्रभू श्रीराम जन्म भूमि पर मन्दिर अपने भव्य स्वरूप में स्थापित हो चुका है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 04 नवंबर 2025
sheelshukla100@gmail.com

घोषणा-पत्र: लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन–सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़–चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं। लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन–सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा–अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र

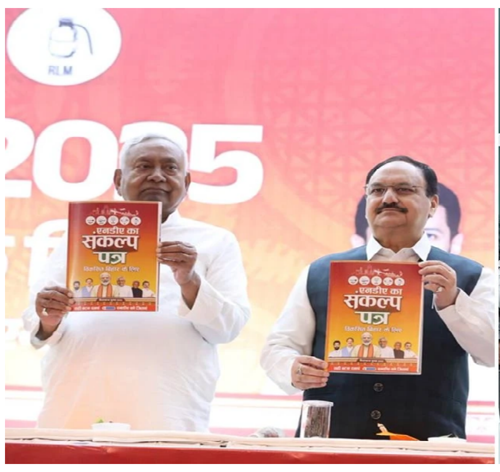

की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे। घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस–मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है– वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन–लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन–से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे। इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं– शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन–से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन–सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके। ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा–पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा–पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा–पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा–पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा–पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा–पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन–देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा–पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं,।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लाजिस्टिक्स तंत्र

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण–पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013–14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024–25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल–ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल–ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन–किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन–किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन–कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन–किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन–किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग–2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी–मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है। अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत–प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्रीय गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादा स्वच्छ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्सर्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यादा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्तन सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यापार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है।ऐसा नहीं है कि इसमें कोई चुनौती नहीं है। मौसम का असर नेविगेशन पर पड़ता है। कुछ हिस्सों में लगातार ड्रेजिंग की दरकार होती है। मालवाहन बेड़े भी सीमित हैं। राज्यों, बंदरगाहों और मंत्रालयों के बीच संस्थागत समन्वय भी बड़ी चुनौती है। लेकिन सरकार एंड–टू–एंड ड्रेजिंग, मल्टी–मोडल हब का विस्तार, अंतर्देशीय पोत कानून जैसी नीतियों को लागू करके इन चुनौतियों से निपट रही है। इसके साथ ही सरकार राष्ट्रीय जलमार्ग पर निजी जेट्टी बनाकार और 'हरित नौकाय' के तहत पर्यावरण मानदंडों का पालन करके इस क्षेत्र को स्वच्छ और हरित तरीकों की ओर ले जा रही है। कार–डी (कार्गो डेटा पोर्टल), जलयान और नाविक, जल–समृद्धि, पानी और नौदर्शिका (नेशनल रिवर ट्रैफिक और नेविगेशन सिस्टम) पोर्टल जैसे डिजिटल टूल परिवहन को आसान बनाते हैं और रुकावटों को कम करते हैं।पूरी दुनिया में नदी परिवहन का विस्तार हो रहा है। डेन्यूब और राइन नदियां यूरोप का माल ढोती हैं। भारत मालवहन योग्य नदियों के समृद्ध नेटवर्क के साथ मजबूत स्थिति में है।

'रेवड़ी संस्कृति' लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे। बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली–मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवडियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी 'रेवड़ी संस्कृति' से सराबोर दिखाई देता है। महागठबंधन हो या एनडीए–दोनों गठबंधन एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे–ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा? हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है–यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है–लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले 'तेजस्वी –संकल्प' घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है। शुरुआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन–नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया। महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे–सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021–22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022–23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था। बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक–दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी–इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की गणित में फंसा देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई 'रेवड़ी संस्कृति' की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं। जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति–सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और

आज का राशिफल

मेष राशि

मेष राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन–देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृष राशि–

वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो आज का दिन आपकी आशाओं को पूरा करेगा। आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं और अच्छे मौसम का लुफ्त भी उठायेंगे।

मिथुन राशि–

मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। इस राशि के लोगों का आज जीवनसाथी के साथ उनके रिश्ते मधुर बनेंगे। साथ ही आज रात को डिनर के लिए किसी अच्छे रेस्टॉरेंट में भी जायेंगे।

कर्क राशि–

कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। इस राशि के जो लोग रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें आज किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आ सकता है।

सिंह राशि–

सिंह राशि वालों आज आपका दिन सामान्य बना रहेगा। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, वे लोग आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में जा सकते हैं और वहाँ आपकी बातों पर सबका ध्यान भी केंद्रित होगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा।

कन्या राशि–

कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आज आपको बुजुर्गों का प्रेम और आशीर्वाद मिलेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि

तुला राशि वालों आज आप काफी ऊर्जावान रहेंगे। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में लाभ करा सकता है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन परिवार वालों के साथ गुजरेगा। इस राशि के छात्रों को आज परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ टाइम स्पेंड करने की संभावना बन रही है। आज व्यापारिक यात्रा फायदेमंद साबित हो सकती है।

धनु राशि

धनु राशि वालों आज आपके व्यवहार से दूसरे लोग प्रसन्न रहेंगे। आज दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा। आज परिवार के साथ हंसी खुशी के पल बितायेंगे। आज वैवाहिक जीवन में समरसता बढ़ेगी।

मकर राशि

मकर राशि वालों आज ऑफिस में लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। उनका पढ़ाई में मन लगेगा।

कुंभ राशि–

कुंभ राशि वालों आज आपका रुझान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। आज आप किसी धार्मिक पंडाल में जाने की योजना बनाएंगे। आज रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर से तरोताजा करने का दिन है। आज परिवार और मित्रों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मीन राशि–

मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बना के रखें। किसी के मामले में न पड़ें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ प्रेम बढ़ेगा। लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

कल हो न हो के अंदाज में जी रहे भारत के युवा

अजीत द्विवेदी

भारत के प्राचीन दर्शन में कर्ज लेकर घी पीने की सलाह देने वाले ऋषि भी हुए हैं। कर्ज की मय पीकर फाकामस्ती के रंग लाने की उम्मीद पालने वाले शायर भी हुए। लेकिन भारत के लोगों ने कभी भी कर्ज लेकर घी या मय पीने को जीवन का सिद्धांत नहीं बनाया। इसकी बजाय भारत मितव्ययिता को जीवन का सार मानने वाला देश रहा। लघु बचत के मामले में भारतीयों का जवाब नहीं है। तभी जब 2008 में दुनिया भर में मंदी आई, जिसे अमेरिका के सब प्राइम क्राइसिस के नाम से जाना जाता है तो भारत पर उसका कोई असर नहीं हुआ। भारत में सब कुछ सामान्य तरीके से चलता रहा। इसका कारण भारत के आम लोगों की लघु बचत रही। ध्यान रहे भारत के बैंकों ने राजनीतिक दबाव और भ्रष्टाचार के कारण आम लोगों की बचत का बहुत पैसा लुटाया है। राजनेताओं के संरक्षण में लाखों करोड़ रुपए के बैंकिंग फ्रॉड हुए। फिर भी बैंकों की सेहत बहुत जल्दी सुधर गई क्योंकि भारत के लोग कर्ज लेकर मौजमस्ती करने की बजाय पैसे जमा करने को ज्यादा श्रेष्ठ आचरण मानते हैं।परंतु अब प्राचीन काल से चला आ रहा जीवन मूल्य बदल रहा है। अब भारत में कर्ज लेने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दिखावे से दूर सादा जीवन और उच्च विचार के भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी पीछे छोड़ कर वैसे ही दिखावे में दिवालिया होने की ओर बढ़ रही है, जैसे दक्षिण कोरिया के गगनम में हुआ। 'ओपन गगनम स्टाइल' गाना तो लोगों को ध्यान ही होगा। अमेरिका और लगभग समूचे पश्चिम में उपभोक्तावाद कर्ज लेकर घी या मय पीने के जीवन दर्शन पर ही फला फूला है। यह हकीकत है कि अमेरिका में औसत व्यक्ति अपने जीवन में जितना कमाएगा उतना वह कर्ज ले चुका है। सबका जीवन क्रेडिट पर चल रहा है। भारत भी उस जीवन दर्शन की ओर बढ़ रहा है। भारत तेजी से ऐसे लोगों का देश बनता जा रहा है, जिनका जीवन बैंक की किस्तें चुकाने के संघर्ष में जाया हो रहा है या आने वाले समय में होगा। आजकल हर चीज किस्तों पर उपलब्ध है। किस्तों पर आईफोन खरीदे जा रहे हैं। किस्तों पर विदेश दौरे हो रहे है और किस्तों पर शादियों के भव्य और चमकदार समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। किस्तों पर बीमारियों के इलाज हो रहे हैं वह एक अलग संकट है।अमेरिका या पश्चिमी दुनिया के मुकाबले भारत में फर्क यह है कि वहां सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं हैं, जो भारत में नहीं हैं। वहां नौकरी जाने पर अच्छा खासा बेरोजगारी भत्ता मिलता है और जल्दी ही नौकरी मिल जाने की संभावना रहती है। भारत में ऐसा कुछ नहीं है। वहां कर्ज देने की सांस्थायिक व्यवस्था है। इसके उलट भारत में जैसे नौकरी असंगठित क्षेत्र की है वैसे ही कर्ज देने की व्यवस्था भी असंगठित क्षेत्र की है। ऐप के जरिए कर्ज देने वाली कंपनियों हजारों की संख्या में हैं। जो बिना किसी कोलेटरल के किसी ऐप के जरिए इंस्टेंट कर्ज देती हैं और साल में 18 फीसदी तक ब्याज वसूलती हैं। ब्याज और कर्ज चुकाने में असफल रहने पर सोशल मीडिया में बदनाम करने से लेकर गुंडे भेज कर धमकी देने और मारपीट तक होने की घटनाएं आम हैं। ऐप के जरिए इंस्टेंट लोने देने वाली कंपनियों के कर्ज के जाल में फंसे लोगों के बदनामी के डर से आत्महत्या करने की अनेक घटनाएं हुई हैं। आम नौजवान एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड से दिल खोल कर खर्च कर रहा है और उसके बाद उसका बकाया चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है।क्रेडिट कार्ड के प्रचार और 'बाई नाऊ पे लैटर' के सिद्धांत ने युवाओं को इस जाल में ज्यादा उलझाया है। यह इस साल का यानी 2025 का आंकड़ा है कि चार में से एक व्यक्ति यानी 25 फीसदी लोग पर्सनल लोन ले रहे हैं और उसे मौजमस्ती करने, छुट्टियां मनाने, घर की साज सज्जा कराने या मेडिकल का बिल भरने पर खर्च कर रहे हैं। यह भी 2025 का आंकड़ा है कि आज चार में से एक आईफोन किस्तों पर खरीदा जा रहा है या क्रेडिट कार्ड से खरीदा जा रहा है। शादी की तैयारी कर रहे नए जोड़ों में से 26 फीसदी ने एक सर्वे में कहा है कि वे अपनी शादी को भव्य तरीके से करने के लिए पर्सनल लोन लेंगे। इन सबका असर यह हुआ है कि कर्ज की बढ़ती मात्रा चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गई है। 2014 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के अनुपात में 26 फीसदी घरेलू कर्ज था, जो 2024 में बढ़ कर 41.9 यानी करीब 42 फीसदी हो गया। सोचें, घरेलू कर्ज और जीडीपी का अनुपात 10 साल में 16 फीसदी बढ़ गया। यह बैंकिंग का आंकड़ा है कि अनसिक्योर्ड खुदरा कर्ज, जिसकी वसूली मुश्किल हो रही है वह तीन से चार लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह जितना आम आदमी का संकट है, उतना ही बड़ा बैंकिंग और देश की वित्तीय व्यवस्था का संकट है।प्रचार और चमक दमक से प्रभावित भारत के युवा 'कल हो न होय' के अंदाज में जी रहे हैं। लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति और भविष्य की संभावनाएं इसको सपोर्ट नहीं करती हैं। तभी वे लगातार कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं। फीयर ऑफ मिसिंग आउट यानी फोमो सिंड्रोम युवाओं को हर वह काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है, जो वे सोशल मीडिया में देख रहे हैं। तभी देखा देखी महंगी चीजें खरीदने, महंगे रेस्तरां में जाने, महंगी शादियां करने या छुट्टियों के लिए महंगी जगहों पर जाने की सोच से उनके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। इसमें अगर मेडिकल इमरजेंसी हो जाए तो संकट और गहरा हो जाता है। इन सबका मिला जुला असर यह है कि वित्तीय अपराध बढ़ रहे हैं और युवाओं पर मानसिक दबाव बहुत बढ़ रहा है। अवसाद या दूसरी मेंटल हेल्थ की बढ़ती समस्याओं में कहीं न कहीं इसका भी हाथ है।

मुआवजे के साथ किसानों के कर्ज माफी किए जाए

0 किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

सोनभद्र। मोंथा तुफान के कारण पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण सोनभद्र में किसानों की फसल को भारी नुक्सान पहुंचा है। रविवार को पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने घोरावल विकास खंड के दर्जनों गांवों में जाकर किसानों की बर्बाद हुई फसलों का जायजा लिया। गिरीश पाण्डेय ने बताया कि हरिहरपुर, ओड़ौली, इनम, कुसरठ, उमरी, नरैना, दुरावल कला, दुरावल खुर्द, लसडी, चौकड़ा, मसोई गांव में किसानों की फसल को भारी नुक्सान पहुंचा है। गिरीश पाण्डेय ने बताया कि हरिहर गांव के किसान अमरेश चंद्र शुक्ला एवं सुरेश चंद्र शुक्ला के सामूहिक परिवार की मिलाकर सौ बीघे से अधिक बासमती धान की फसल कटकर खेत में पानी भरने के कारण सड़ने से महकने लगी है,यहां तक कि अब अंकुरित भी होने लगी है। गिरीश पाण्डेय ने बताया कि इसी तरह ओड़ौली गांव के विजेन्द्र सिंह और लालवर्ती सिंह पटेल की पूरी फसल पानी में डूबकर जमींदोज हो गई है। लसड़ी गांव के प्रधान राजेश एवं कमला सिंह ने दावा किया कि उनके गांव में चालीस प्रतिशत से ज्यादा किसानों की फसल डूबी हुई है और लगातार खराब होती ही जा रही है। चोकडी गांव के बच्चा सिंह की फसल को भी भारी नुक्सान पहुंचा है। गिरीश पाण्डेय ने किसानों की हुई क्षति को देखकर गहरी चिंता जताई और कहा कि जिस तरह कुछ दिन पहले तक किसानों में अच्छी उपज होने का उत्साह था वह अब हताशा में मोथा तुफान ने बदल दिया है। क्षेत्रीय किसानों में अपने जीवकोपार्जन की चिंता के साथ साथ पशुओं को चारे की भी चिंता सताने लगी है। साथ ही आगामी रवि फसल की बुआई को लेकर भी किसान सशंकित हैं। गिरीश पाण्डेय ने बताया कि किसान बैंक और कोआपरेटिव कर्ज की देनदारी की भी चिंता क्षेत्र में जता रहे हैं। किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ई–मेल के माध्यम से पत्र लिखकर किसानों की इस भीषण क्षति पर ध्यान आकर्षित कराते हुए किसानों के फसलों को होने वाले नुक्सान की शत–प्रतिशत क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग के साथ किसानों का .षि कर्ज, को–आपरेटिव कर्ज एवं बिजली बिल भी माफ कराने की मांग किया। कहा कि जब हमारे देश के बड़े कारोबारियों को नुक्सान होने पर सरकारें भरपूर सहायता करतीं हैं तो आज संकट की घड़ी में सरकार को किसानों के साथ संवेदनशीलता के साथ खड़े होने की आवश्यकता है जो किसान हित में होगा।

सड़क किनारे मिट्टी की कटान से कभी दुर्घटना की आशंका

मुर्धवा–बीजपुर मार्ग के आश्रम मोड़ तिराहे के आगे दोनो पटरियों पर बनें है गड्ढे

म्योरपुर,सोनभद्र। मुर्धवा–बीजपुर मार्ग पर आश्रम मोड़ तिराहे से लगभग 100 मीटर की दूरी पर रेणुकूट जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे दोनो पटरियो पर मिट्टी की कटान दो पहिया वाहन सवार और भारी वाहनो एवं राहगीरों और बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है।खाई जैसा गड्ढा बन गया है। मिट्टी की कटान की वजह से जो ग्रामीण पालतु जानवर चराने के लिए जाते है उनको भी इस गड्ढे से डर बना रहता है कि जल्दबाजी मे वे इस गड्ढे मे न आ जाए नही तो गरीबी मे बहुत दिक्कत खड़ी हो जाएगी।पशुपालक ही नही इस मार्ग से जाने वाले राहगीर भी डरते है। सामने से भारी वाहन आने पर लोग संतुलन खोकर गिरने की स्थिति में इस खाई जैसे गडडे मे गिर सकते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के किनारे यह गड्ढा लगातार गहरा होता जा रहा है, लेकिन अभी तक विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।विभाग कुंभकर्णी निद्रा मे अभीतक सो रहा।आपको बताते चले कि रविवार को एक बाइक सवार राहगीर म्योरपुर से रेणुकूट की ओर हिंडालको काम करने जा रहे थे कि जैसे ही इस सड़क के किनारे बाइक सवार राहगीर

किसानों की नुकसान फसलों का मिलेगा मुआवजा-मपेश चौबे

सोनभद्र। जिले में पिछले कई दिनों से हो रही बरसात से किसानों की फसल तबाह हो गई है। इसे देखते हुए रविवार को सदर विधायक ने राजस्व .षि व बीमा कंपनियों के लोगों के साथ आमडीह चकया वैनी दूबेपुर पवनी सहित कई गांवों का भ्रमण कर बर्बाद हुई फसलों का निरीक्षण किया व किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार के द्वारा मिलने वाली समस्त सहायता राशि व अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। जनपद में पिछले 5 दिनों लगातार हुई बे मौसम बारिश व आंधी से धान की फसल को काफी क्षति पहुंची है रविवार की सुबह सदर विधायक सोनभद्र भूपेश चौबे सदर तहसील के तहसीलदार नायब तहसीलदार राजस्व निरीक्षक व क्षेत्रीय लेखपालों को लेकर नगवा विकास खंड के गांव में पहुंचे उनके साथ .षि विभाग के अधिकारी व बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ संबंधित किसानों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना सदर विधायक ने इस मौके पर .षि विभाग व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की फसल की क्षतिपूर्ति का मुआवजा बनाते समय जरा भी कोताही न बरती जाए सरकार के पास ना पैसे की कमी है व्यवस्था की इसलिए मुआवजा यदि कम बनाया गया या किसी भी किसान को मुआवजे के लिए परेशान किया गया तो संबंधित अधिकारी अपने खिलाफ कार्रवाई होने के लिए तैयार रहे उन्होंने कहा कि इस कृषि प्रधान देश में यदि किसानों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया तो यह सरकार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। धान की फसल के अलावां कुछ गांव में आलू सरसों मटर व मिर्च की फसल को भी क्षति पहुंची है। उसका भी मुआवजा बनाया जाए साथ में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष यादवेन्द्र द्विवेदी नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, देवी सिंह, महेश पटेल, अवधेश पटेल, सूर्य कुमार कनौजिया, विकास मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा प्रतापगढ़ के बने जिला प्रवासी

प्रयागराज। काशी क्षेत्र के द्वारा संगठन की रचना करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने काशी क्षेत्र के सभी 16 जिलों के प्रवासी नियुक्त किए। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि महानगर प्रयागराज के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा को प्रतापगढ़ जिले का, पूर्व यमुना पार जिला अध्यक्ष विनोद प्रजापति को प्रयागराज महानगर का और गंगा पार की पूर्व जिला अध्यक्ष कविता पटेल को यमुना पार जिले का प्रवासी मनोनीत किया गया। मनोनयन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दीघ।

आठवीं इंटरस्कूल ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2025 का शुभारंभ

प्रयागराज। प्रयागराज ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान में आयोजित आठवीं इंटरस्कूल ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ वशिष्ठ वात्सल्य पब्लिक स्कूल, सिविल लाइंस में किया गया। यह प्रतियोगिता 1 नवंबर से 2 नवंबर तक आयोजित की जा रही है।प्रतियोगिता के पहले दिन बालिका वर्ग की सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पंकज जायसवाल (पार्षद, सिविल लाइंस) रहे, जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि ताल्हा हनफी (डायरेक्टर, फ्यूज सेंट अकादमी) थे।मुख्य अतिथियों को संघ के सचिव रणजीत यादव ने बुके भेंट कर सम्मानित किया तथा राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी गौरव गुप्ता और अभिलाष कुमार ने उन्हें स्टोल पहनाकर सम्मानित किया।इस प्रतियोगिता में 14 विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिनके खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष निशांत मेहरोत्रा, संयुक्त सचिव सत्यदेव यादव, तथा राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी अनिरुद्ध कुमार द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उक्त जानकारी प्रयागराज ताइक्वांडो संघ के जनसंपर्क अधिकारी अतुल सोनकर द्वारा दी गई।

खेत में मिला युवक का अर्धनिग्न शव

पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज, पुलिस ने ससुर–साली को हिरासत में लिया

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के अगुवईया गांव में एक युवक का शव खेत में अर्धनग्न अवस्था में मिला। मृतक की पहचान घूरपुर थाना क्षेत्र के सुक्खू का पुरा गांव निवासी 28 वर्षीय रवि कुमार बिंद के रूप में हुई है। शव के मुंह और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।सूचना मिलते ही एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान, थानाध्यक्ष कुलदीप शर्मा और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच के आधार पर मृतक के ससुर और साली को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई।पोस्टमार्टम के बाद जब रवि कुमार बिंद का शव घर पहुंचा, तो परिजनों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों की भारी भीड़ घर के बाहर जमा हो गई। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव का दाह संस्कार करने से इनकार कर दिया।स्थिति की सूचना पर एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान, थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा और थाना प्रभारी घूरपुर सहित आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर शांत करने का प्रयास किया। मृतक के बड़े भाई की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर ससुर जमुना प्रसाद बिंद, अशोक कुमार, अमन, अनिल बिंद और दयाशंकर बिंद के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है और मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

31वें श्री रामचरितमानस नावाह पाठ महायज्ञ की तैयारी शुरू

सोनभद्र। श्रीरामचरितमानस नवान्ह पाठ महायज्ञ समिति की ओर से 31वें वार्षिक महायज्ञ की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इस क्रम में समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक 3 नवंबर सोमवार की रात 8 बजे रॉबर्ट्सगंज स्थित रामलीला मैदान के हाल में आयोजित की जाएगी। समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन ने बताया कि विगत 30 वर्षों से आरटीएस क्लब परिसर में निरंतर आयोजित हो रहे श्री रामचरितमानस महायज्ञ ने नगर में धार्मिक और सांस्तिक चेतना का अद्वितीय वातावरण बनाया है। इस वर्ष भी यह परंपरा भव्यता के साथ निभाई जाएगी। उन्होंने सभी संरक्षकों और सदस्यों से समय से उपस्थित होने की अपील की। महामंत्री सुशील पाठक ने कहा कि बैठक में 30वें वर्ष के महायज्ञ का आय–व्यय विवरण प्रस्तुत किया जाएगा तथा 31वें वर्ष के आयोजन की रूपरेखा तय की जाएगी। इसके साथ ही महायज्ञ की तैयारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से चर्चा होगी। समिति ने नगर के श्रद्धालु जनों से भी महायज्ञ में सहयोग एवं सहभागिता की अपील की है।

कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष बने प्रदीप गुप्ता

सोनभद्र। कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ का शहर अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता को बनाये जाने पर जहाँ एक ओर कांग्रेसजनों मे प्रसन्नता व्याप्त है वहीं पार्टी के इस निर्णय से आम व्यापरियों में खुशी की देखी जा रही है। प्रदीप गुप्ता के शहर अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसजनों का आभार जताया। इसके बाद प्रभु हनुमान जी के मंदिर जाकर मत्था ठेका और आशीर्वाद लिया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज गौड़ ने इस अवसर पर विश्वास व्यक्त किया कि प्रदीप गुप्ता के शहर अध्यक्ष बनने से कांग्रेस को काफी मजबूती मिलेगी। एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र नारायण ने कहा कि मौजूदा सरकार की नीतियां पूर्ण रूप से व्यापारी विरोधी हैं। प्रदीप गुप्ता व्यापारी हितो की लड़ाई मजबूती से लड़ेंगे और व्यापारियों को हो रही दुस्वारियों से उन्हें निजात दिलाने का काम करेंगे। इस अवसर पर बधाई देने वाले प्रमुख नेताओं कार्यकर्ताओं और व्यापारियों में शैलेंद्र चतुर्वेदी शहर अध्यक्ष सेवादल, दिनेश धर दुबे, रजनीश चौबे एडवोकेट, लॉरेंस एंथोनी, दीपक कोहली, सुनील मिश्रा, पिंटू सिंह रामकृष्ण व अन्य कई प्रमुख थे।

मगध सम्राट जरासंध महाराज की मनायी 5228वीं जन्म जयंती

दुद्धी,सोनभद्र। अखिल भारत वर्षीय चन्द्रवंशी क्षत्रिय महासभा व चन्द्रवंशी समाज समिति शाखा दुद्धी द्वारा संयुक्त रूप से डीहवार बाबा स्थित मन्दिर परिसर वार्ड 2 दुद्धी में मगध सम्राट जरासंध महाराज की 5228 वीं जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला व शाखा अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राज नारायण चन्द्रवंशी एवं जितेन्द्र सिंह चन्द्रवंशी द्वारा चन्द्रवंशी समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राजा बृहद्रथ की दो रानियां थीं जिन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हो रहा था, राजा बृहद्रथ को ऋषि द्वारा पुत्र रत्न की प्राप्ति के लिए राजा वृहद रथ को फल दिया की अपनी रानियां को खिला दें परंतु राजा के दो रानियां थी जिसके कारण बराबर–बराबर दो भागों में फल को खिलाया जिससे दोनों रानियों के गर्भ से आधे पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। परंतु चन्द्रवंशी समाज की कुलदेवी जरा माता जिसे वनदेवी के नाम से भी जाना जाता है द्वारा रानियों के गर्भ से उत्पन्न आधे आधे पुत्रों को शक्ति द्वारा जोड़ा गया। जिसके कारण जरासंध नाम पड़ा। कहार कोई जाति नहीं अपितु पेशा है जो आजादी के उपरांत कहार शब्द जाति के रूप में साजिस के तहत थोपा गया। जबकि आजादी के दौरान तत्कालीन गवर्नर ने लिखित में चन्द्रवंशी, रवानी, क्षत्रिय लिखें जानें की पौराणिक पुष्टि उपरान्त संतुती की। संवैधानिक विसंगतियों के कारण कहार शब्द जोड़ा गया। जो विकास से आज भी वंचित और अति पिछड़ा है। जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी नें कहाँ राजगीर बिहार में मगध सम्राट जरासंध महाराज की गौरव गाथा कण कण में राजगीर में विराजित है जिसे वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विशालकाय जरासंधा महाराज की प्रतिमा स्थापित कर चन्द्रवंशियों के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करने का काम किया। जरासंध अखाड़ा, सरोवर, जरामाता का मन्दिर आदि हजारों एकड़ में गौरव गाथा है सच्चे सनातनी चन्द्रवंशी गप सेवा समिति काशी द्वारा चन्द्रवंशी व उपजाति यदुवंशियों द्वारा आज भी हजारों वर्षों से काशी में बाबा विश्वनाथ का प्रथम दुधाभिषेक शिवरात्रि पर की जाती है। मनदीप कुमार चन्द्रवंशी द्वारा कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। समाज को एकजुट होने का आह्वाहन किया। अखिल भारतवर्षीय चन्द्रवंशी क्षत्रिय महासभा जिला महासचिव राजेन्द्र सिंह चन्द्रवंशी, अंजूलता चन्द्रवंशी, अध्यापिका सुनीता देवी चन्द्रवंशी, शाखा सचिव विजय कुमार चन्द्रवंशी, सुग्रीव चन्द्रवंशी द्वारा अपने–अपने विचार रखें गए। कार्यक्रम का शुभारंभ जरासंधा महाराज के प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्प व दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने नागिन टू का तिथियां के प्रति आभार व्यक्त किया। जरासंध महाराज की आरती के उपरांत जय जरासंध, जय मधेश, जए जरा देवी के नारों से गूंज उठा परिसर। इस मौके पर जगत नारायण सिंह,नागेंद्र चन्द्रवंशी, .ष्ण चन्द्रवंशी, बबलू चन्द्रवंशी, गायत्री देवी, दीनानाथ चन्द्रवंशी, दीनानाथ चन्द्रवंशी, बंसी राम, राम कुमार, दिनेश

पोर्टल के जरिये मिले 101 एंड्रइड मोबाइल, कीमत करीब 11 लाख रुपये

0 सर्विलांस, एसओजी व थानों की संयुक्तकार्रवाई एसपी ने टीम को दी बधाई

सोनभद्र। साइबर अपराध की रोकथाम और आमजन को तकनीकी माध्यम से न्याय दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल, एसओजी टीम और जनपद के सभी थानों की संयुक्त कार्रवाई के दौरान ब्म्प् (ब्मदजतंस ड्ढनपचउमदज प्कमदजपजल त्महपेजमत) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी ट्रेसिंग कर 101 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत लगभग रू 11 लाख बताई जा रही है। सभी मोबाइलों को वास्तविक स्वामियों को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए रविवार को सुपुर्द कर दिया गया। मोबाइल प्राप्त करने वाले नागरिकों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनपद पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता की काफी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सोनभद्र पुलिस ने जिस प्रकार पारदर्शी व त्वरित कार्रवाई की है, वह सराहनीय है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस तकनीक के माध्यम से जनता को त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही आमजन से अपील की कि मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराकर ब्म्प् पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें, ताकि शीघ्र कार्रवाई संभव हो सके।

अद की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित, स्थापना दिवस समारोह मनाने पर हुई चर्चा

मीरजापुर। आगामी 4 नवंबर को वाराणसी में आयोजित होने वाले अपना दल (कमेरावादी) के स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर रविवार को लालगंज स्थित खजूरी कैंप कार्यालय में विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी समाज के वंचित, गरीब और किसानों की आवाज बनकर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने कहा कि अपना दल (कमेरावादी) गरीबों और पिछड़े वर्गों की लड़ाई लड़ने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा और विकास ही पार्टी का धर्म है। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस 4 नवंबर को वाराणसी में भव्य रूप से मनाया जाएगा। जिसमें बूथ से लेकर सेक्टर और विधानसभा स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल होंगे। कहा हर कार्यकर्ता पार्टी की नीति और सोच को जनता के बीच पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विधानसभा अध्यक्ष मंगल प्रसाद पटेल ने कहा कि पार्टी ने हमेशा गरीबों, किसानों और पिछड़ों के हितों की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि गांव–गांव तक संगठन की पकड़ मजबूत है और जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में पार्टी लगातार सक्रिय रही है। बैठक में कार्यकर्ताओं ने अपने सुझाव साझा किए और संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। अंत में जिला व विधानसभा स्तर के नेताओं ने वाराणसी में होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में शारदा प्रसाद पटेल, चंद्रजीत पटेल, कृपा शंकर पटेल, रामराज पटेल, महेंद्र गौड़, राजकुमारी सिंह, लालमणि पटेल, रामदास, अनिल सिंह, विष्णु सिंह, राकेश सिंह, दयाशंकर सिंह और शिवनारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोंन्था चक्रवात से भीगी कटी व गिरी धान की फसलों में निकला अंकुरण

लालगंज, मीरजापुर। मोंन्था चक्रवात तूफान के बाद रविवार को धूप निकलने के बाद मौसम सामान्य होने से किसान राहत महसूस कर रहे हैंध मौसम के बिगड़ते मिजाज से किसानों की धान की फसल 30 प्रतिशत गाड़ी कमाई चौपट हो गई। आंधी तूफान से गिरी तथा कटी धान अंकुरित हो गई है। खेतों में जल जमावों के कारण पानी में धान लहरा रही है। वहीं रबी के सीजन में बोई गई अगैती फसल चना, मटर, मसूर, सरसों आदि के खेतों में जल जमावों के कारण बर्बाद हो गई है। तहसील क्षेत्र के रेही, लहंगपुर, गंगहराकलां, बामी, धसड़ा, कोठी, मझियार, बेलाही, राजापुर, कलवारी, तेंदुआ कलां, तेंदुआ खुर्द, तुलसी, बरडीहा, अमहा, कटाई, बरौंधा, रतेह, नदना, पड़री, मझिगवां, मतवार, बेलाही, कुशियरा, सगरा, मटिहरा, रामपुर नौडीहा, थोथा , सोनगढ़ा , सिकटा, राजपुर, वीरपुर, खमरिया, केवलझर, पिपरा, बढ़वार ,पंवारी खुर्द, बरया सहित पूरे लालगंज व हलिया विकासखंड में लगातार बारिश होने से खेत में काट कर रखी एवं खड़ी धान की फसल में अंकुरण निकल आया है। जिससे किसान काफी आहत हैं। किसानों ने जिला अधिकारी पवन कुमार गंगवार से मांग किया कि जिला कृषि अधिकारी सहित तहसीलदार से क्षेत्र में धान की फसल के नुकसान की जांच करा कर किसानों को उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग किया है।

भक्ति परिवार और समाज में संस्कारों की स्थापना में भी सहायक होती है भावानंद

मीरजापुर। लालगंज तहसील क्षेत्र के जयकर स्थित आश्रम में रविवार को आयोजित कथा सभा में महाराज भावानंद ने उपस्थित भक्तों को संतों की भक्ति और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर गहन प्रकाश डाला। महाराज ने कहा कि संतों जैसे मीरा, सबरी और अजामिल की भक्ति केवल दिखावे या भौतिक साधनों तक सीमित नहीं थी वह पूर्णतः आध्यात्मिक थी। उनकी भक्ति में जीवन के उच्च आदर्श, आत्मिक शांति और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का संदेश निहित था। महाराज भावानंद ने बताया कि संतों ने जो मार्ग दिखाया वह समय की सीमाओं में बंधा नहीं था। उनके दिखाए मार्ग से आज भी भक्तों के जीवन में प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है। उन्होंने कहा कि भक्ति न केवल व्यक्ति की आत्मा को शांति देती है। भक्ति परिवार और समाज में संस्कारों की स्थापना में भी सहायक होती है। महाराज ने स्पष्ट किया कि मन भौतिक इच्छाओं और लालसाओं से भरा रहता है जबकि सच्ची भक्ति मन को ईश्वर की ओर मोड़ती है। भगवान का नाम जीवन का वास्तविक आश्रय है। उन्होंने भक्तों को समझाया कि भक्ति का लक्ष्य भौतिक लाभ नहीं बल्कि आत्मिक विकास, ईश्वर की कृपा और जीवन में संतुलन प्राप्त करना है।

देवोत्थान एकादशी पर निकाली गई प्रभातफेरी

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में देवोत्थान एकादशी पर्व की उदयातिथि पर रविवार सुबह रामलीला कमेटी ड्रमंडगंज के अध्यक्ष अंजनी सोनी के नेतृत्व में गाजे बाजे के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। एकादशी प्रभातफेरी में राधा कृष्ण का रूप धारण किए बालक लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। प्रभातफेरी में शामिल लोग हरे राम हरे कृष्ण का कीर्तन करते हुए ड्रमंडगंज बाजार के शिव मंदिर राधाकृष्ण मंदिर,संस्कृत महाविद्यालय स्थित ठाकुर जी मंदिर सहित बाजार के विभिन्न मंदिरों की परिक्रमा करते दुर्गा मंदिर पहुंचे। वहां से पुनः वापस लौटकर प्रभातफेरी का रामलीला मैदान में समापन किया गया जहां भजन कीर्तन के पश्चात भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। बाजार वासियों ने पुष्प वर्षा कर प्रभातफेरी का स्वागत किया। प्रभातफेरी में अंजनी सोनी, बैजू केशरी, ज्ञानदास गुप्ता विजयपाल, कल्याण दास, हजारी लाल केशरी, अनुज केशरी, कैलाश केशरी आदि शामिल रहे।

सहस्रार्जुन और भगवान परशुराम की कथा सुनकर श्रोता भावविभोर

मीरजापुर। हलिया विकास खंड क्षेत्र के गलरा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को गोरखपुर से पधारे कथावाचक पंडित प्रभानाथ मिश्र ने सहस्रार्जुन और परशुराम की कथा का वर्णन किया। कथावाचक ने कहा कि सहस्रार्जुन बहुत शक्तिशाली राजा था उसे भगवान दत्तात्रेय से सहस्र भुजाओं का वरदान मिला था। सहस्रार्जुन ने महर्षि जमदग्नि के आश्रम से कामधेनु गाय को बलपूर्वक छीन लिया था।जब भगवान परशुराम को कामधेनु हरण महर्षि जमदग्नि के अपमान की घटना पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुए। भगवान परशुराम ने सहस्रार्जुन की विशाल सेना को युद्ध में पराजित कर सहस्रार्जुन का वध कर दिया। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण करने से मनुष्य के पापों का नाश हो जाता है। भागवत कथा मनुष्य को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर भवसागर से पार लगाती है।

इंटर की छात्रा की ट्रेन से कटकर मौत

घर से बेटी कंप्यूटर क्लास के लिए निकली थी

प्रयागराज। पुरामुफ्ती थाना इलाके में 17 वर्षीय किशोरी की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। किशोरी की लाश मनौरी रेलवे स्टेशन पर करीब शाम 6 बजे मिली। पुलिस ने परिवार को सूचना देकर लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशांबी संदीपन घाट थाना इलाके के महगांव के रहने वाले महेश कुमार कुशवाहा खेती कर अपना और अपने परिवार का गुजर बसर करते हैं। उनके 5 बच्चे हैं जिसमें 3 बेटा 2 बेटियां है। बेटी खुशबू (17) इंटर की पढ़ाई पूरी कर चुकी है। मौजूदा समय में वह मनौरी में कंप्यूटर क्लास कर रही थी। पिता महेश कुशवाहा ने बताया कि बेटी शनिवार को कंप्यूटर क्लास के लिए मनौरी गई थी। बेटी जब देर शाम तक घर नहीं लौटी तो उन्होंने कंप्यूटर चलाने वाले संचालक को फोन कर जानकारी ली। पता चला कि उनकी बेटी घर के लिए जा चुकी है। उसकी तलाश रिश्तेदारी व पहचान के लोगों ने की। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।जब पूरामुफ्ती पुलिस ने लाश की पहचान के लिए मौके पर बुलाया तो बेटी की पहचान हुई। इंस्पेक्टर पूरामूफ्ती के मुताबिक स्थानीय लोगों की सूचना पर लाश बरामद कर उसकी पहचान कराई गई। परिवार ने तहरीर में किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी ने फांसी लगाकर दे दी जान

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र में राववार का एक 16 वर्षीय किशोरी का शव उसके मौसी के घर से बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, किशोरी ने शनिवार रात साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका खुशी (16) पुत्री पप्पू ग्राम पूरे फौजशाह में अपनी मौसी रामकली पत्नी छेदीलाल के घर रहती थी। बताया गया कि खुशी के माता–पिता में अनबन होने के कारण वह बचपन से ही मौसी के पास रह रही थी। शनिवार को जब परिवार के सदस्य खेतों में काम करने गए थे, तब खुशी घर पर अकेली थी। शाम को लौटने पर परिजनों ने उसे साड़ी से फंदे पर लटका पाया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि खुशी को मिर्गी की बीमारी थी और वह अक्सर बीमार रहती थी। फिलहाल पुलिस ने इसे प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला माना है। थाना प्रभारी मऊआइमा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

टाटा टी अग्नि ने लश्न्च की टाटा टी अग्नि एक्स्ट्रा जोश

प्रयागराज। भारत के अग्रणी चाय ब्रांड, टाटा टी अग्नि ने देश की पहली अतिरिक्त ऊर्जा देने वाली चाय – टाटा टी अग्नि एक्स्ट्रा जोश लॉन्च की है। अपने किस्म के इस अद्भुत प्रयोग के तहत इस चाय में प्राकृतिक कैफीन मिलाया गया है जो आधुनिक दौड़–भाग वाली जीवनशैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें मिलाया गया प्राकृतिक कैफीन ताजगी प्रदान करता है, जिससे हर कप सक्रियता भरे दिन की शुरुआत के लिए उपयुक्त विकल्प बन जाता है।

टाटा टी अग्नि एक्स्ट्रा जोश के लॉन्च के साथ, ब्रांड ने अपने लंबे समय से चले आ रहे श्जोश जगाए हर रोजश के विचार को मजबूती प्रदान करते हुए इस चाय को एक्स्ट्रा जोश प्रदान करने के लिए पेश किया है जो आज की भागती–दौड़ती जीवनशैली की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करती है।टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के भारत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र में पैकेज्ड बेवरेजेज के अध्यक्ष, श्री पुनीत दास ने कहा कि टाटा टी अग्नि अपने कड़क जायके के लिए मशहूर है,।

विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत विधि अध्ययन संस्थान में टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित

मेरठ(आरएनएस)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित विधि अध्ययन संस्थान में उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत एलएलएम पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मा० सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश श्री अश्वनी त्यागी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो० भूपेन्द्र सिंह, मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो० दिनेश कुमार तथा विधि अध्ययन संस्थान के समन्वयक डा० विवेक कुमार द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर डा० विवेक कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 में स्थापना के बाद से संस्थान ने अल्प समय में उल्लेखनीय प्रगति की है। संस्थान के कई विद्यार्थी न्यायिक सेवाओं, अभियोजन विभाग, बैंकिंग तथा सार्वजनिक उपक्रमों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

संस्थान के शिक्षकों के शोध कार्य राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं तथा वैश्विक मंचों पर भी सहभागिता की गई है।मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो० दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व और शिक्षा एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ पारिवारिक संस्कारों का समन्वय बनाये रखना भी जरूरी है।

सदस्य विधान परिषद श्री अश्वनी त्यागी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का सपना था कि देशवासी स्वतंत्र और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें। उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए सरकार विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बना रही है ताकि वे डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बन सकें। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो० भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी के अपने लाभ और हानियां दोनों हैं, इसलिए विद्यार्थियों को संतुलन बनाये रखना चाहिए और इसका सकारात्मक उपयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डा० अपेक्षा चौधरी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डा० सुदेशना ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक श्री आशीष कौशिक, डा० विकास कुमार, डा० सुशील शर्मा, डा० मीनाक्षी, डा० शेख अरशद, श्री अपूर्व मित्तल सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सुभारती में सजी सुर और तान की कार्यशाला तो आधी आबादी को व्यक्तिगत आजादी बताई

सुभारती में संस्×ति, सुरक्षा एवं दिव्यांगजनों को स्वालंबी बनाने के लिए हुआ सर्वेक्षण का आयोजन

मेरठः(आरएनएस) स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में एक ओर जहाँ मंच कला विभाग ने संगीत और नृत्य की विविध विधाओं पर आधारित एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, तो वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के सुभारती विकलांगता परामर्श सेवा केंद्र द्वारा गाँव सिंधावली में दिव्यांगजनों के लिए सर्वेक्षण अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त महिलाओं को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जागरुकता सत्र का आयोजन हुआ। नंदलाल बोस कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स के सत्यजीत रे सभागार में मंच कला विभाग एवं समिति का एक्शन थ्रू म्यूजिक संस्था, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ संकायाध्यक्ष प्रो. पिंटू मिश्रा और विभागाध्यक्ष प्रो. भावना ग्रोवर द्वारा अतिथियों के स्वागत से किया गया। जिसके बाद मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई।

मंच कला विभाग के विद्यार्थियों ने मां सरस्वती वंदना जयति जय जय मां सरस्वती जयति वीणा वादिनी प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. भावना ग्रोवर ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत और मंच प्रस्तुति के व्यावहारिक तत्वों से परिचित कराना है। प्रथम सत्र में दिल्ली से आए डॉ. रंजन कुमार ने अपनी मोहन वीणा वादन की अद्भुत प्रस्तुति से सभी श्रोताओं को अभिभूत कर दिया। तबले पर उनकी संगति सुकांत बाजपेई ने की। इसके बाद विदुषी मालविका भट्टाचार्य ने राग मधुवंती में अपनी मधुर गायकी से समां बाँधा, तबले पर फरदीन हुसैन और हारमोनियम पर मेराज खान ने संगत दी। दर्शकों के आग्रह पर उन्होंने हे री मैं तो प्रेम दीवानी भजन भी प्रस्तुत किया।

दूसरी ओर सुभारती विश्वविद्यालय के सुभारती विकलांगता परामर्श सेवा केंद्र द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से गाँव सिंधावली में दिव्यांगजनों के लिए सर्वेक्षण अभियान चलाकर उन्हें शिक्षा व अन्य लाभों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर सुभारती शिक्षा संकायाध्यक्ष एवं सुभारती दिव्यांग सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार ने टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सर्वेक्षण की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। सर्वेक्षण का नेतृत्व केंद्र की समन्वयक दीपिका चौधरी (सहायक प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग) और डॉ. अंकित जादौन ने किया।शिक्षा संकाय के 19 छात्रों ने सक्रिय भागीदारी कर सर्वेक्षण को सफल बनाया। "चुप्पी तोड़नारू स्पर्श, सहमति और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूकता"एक अन्य कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में "चुप्पी तोड़नारू स्पर्श, सहमति और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूकता"विषय पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की विशेषज्ञ वक्ता डॉ. निशा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, मैनेजमेंट कॉलेज, सुभारती विश्वविद्यालय रहीं, जिन्होंने बहुत ही प्रभावशाली व सरल ढंग से छात्राओं को "गुड टच", "बैड टच" और "कंसेंट" की महत्ता समझाई।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की 87 छात्राओं ने भाग लिया, जिनके साथ विभिन्न कॉलेजों की महिला अध्यापिकाएँ भी उपस्थित रहीं। सत्र का समापन संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्राओं ने आत्मरक्षा और जागरूकता के प्रति दृढ़ संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री जनधन खाते खोलकर करता था ठगी, पकड़ा गया

मेरठ(आरएनएस)। अंतरराज्यीय साइबर ठग अलाउद्दीन मलिक प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाते खोलकर साइबर ठगी करता था। अलाउद्दीन के खिलाफ राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल और यूपी के विभिन्न जनपदों में साइबर ठगी के काफी मामले सामने आए है। शनिवार को राजस्थान पुलिस अलाउद्दीन को जेल से बी वारंट पर अपने साथ ले गई, ताकि पुराने मुकदमों में उसे आरोपित बनाया जा सके। उस पर गैंग्सटर लगाने की तैयारी है। अलाउद्दीन का मददगार उसका पिता अय्यूब पकड़ से दूर है।

भाजपा से जुड़े अय्यूब मलिक निवासी रेजीडेंसी बिजली बंबा का बेटा अलाउद्दीन मलिक दुबई में बैठकर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और दिल्ली कई शहरों में करोड़ों की साइबर ठगी कर चुका है। जून में पुलिस ने अलाउद्दीन के साथी वकार निवासी अहमद नगर लक्खीपुरा, शाहरुख निवासी सुहेल गार्डन मिलन पैलेस, मोनू निवासी अहमद नगर और समीर निवासी अहमद नगर को जेल भेज दिया। उनसे 36 एटीएम कार्ड, 27 बैंक पासबुक, 16 सिम कार्ड, तीन चेक बुक, 10 मोबाइल बरामद हुए थे।

30 जुलाई को पुलिस ने अलाउद्दीन और उसके साथी सोनू निवासी पहाड़पुर मवाना को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि अलाउद्दीन अपने साथियों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जनधन योजना के नाम पर 15 हजार रुपये प्रतिमाह मिलने का लालच देकर लोगों से उनकी आईडी पर बैंक खाते खुलवाता था। फिर उन्हीं के नाम से सिम जारी करा उनकी पासबुक, चेकबुक व एटीएम अपने पास रख लेता था। गिरोह के अन्य सदस्य चोरी किए गए मोबाइल फोन के नंबरों पर नई यूपीआई आइडी बनाकर ठगी की रकम उन खातों में ट्रांसफर कर लेते थे। एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि अलाउद्दीन को राजस्थान की जयपुर पुलिस बी वारंट पर जेल से ले गई है। पुराने मुकदमों में उसे आरोपित बनाकर रिकवरी की जानी है। अलाउद्दीन के खिलाफ मेरठ में दर्ज मुकदमों में आरोप पत्र तैयार किया जा रहा है।

आरोपित पर राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल व यूपी में दर्ज हैं मुकदमे

अलाउद्दीन ने यहां की ठगी थाना बेलाघाट, गोरखपुर में 12 लाख, थाना रूंदौली, अयोध्या में 70 हजार,

थाना सिविल लाइन, मुरादाबाद में छह लाख, थाना दुधारा, संतकबीर नगर में 11 हजार, थाना सिविल लाइन, थाना देवरानियां, बरेली में तीन लाख की ठगी की।

अंसल ग्रुप के निदेशक प्रणव अंसल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

मेरठ(आरएनएस)। अंसल लैंडमार्क टाउनशिप प्रा.लि. ग्रुप के निदेशक प्रणव अंसल समेत छह कंपनी कर्मचारियों के खिलाफ परतापुर थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि कालोनी में मकान आवंटन करने के बाद पूरी रकम वसूली गई। उसके बाद मकान का बैनामा अन्य व्यक्ति को करा दिया। रकम वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। परेशान होकर पीड़ित ने मामले की तहरीर एसएसपी को दी। एसपी क्राइम की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मुकदमा दर्ज हुआ है।

गंगानगर के डिफेंस कालोनी निवासी मनोज कुमार जैन ने बताया कि अंसल ग्रुप की सुशांत सिटी कालोनी में एक मकान बुक कराया था। कंपनी की तरफ से मकान आवंटन करने के बाद सभी रकम वसूली कर ली थी। उसके बाद भी कंपनी ने मकान का बैनामा किसी अन्य व्यक्ति से कर दिया।

पीड़ित की तरफ से अंसल ग्रुप से रकम वापस की मांग की गई। तब एसपी क्राइम के सामने तय हुआ कि अंसल ग्रुप की तरफ से मनोज जैन को प्रत्येक माह दो लाख रकम दी जाएगी। एक माह रकम देने के बाद कंपनी की तरफ से कोई रकम नहीं आई। तब मनोज जैन की तरफ से एसएसपी डा. विपिन ताडा को मामले की शिकायत की गई।

सीने में दो गोलियां मारकर युवक की हत्या, जंगल में पड़ा मिला शव, रात को घर से अचानक हो गया था लापता

मेरठ(आरएनएस)। गांव अगवानपुर में दो गोलियां मारकर युवक की हत्या कर दी गई। गांव के बाहर जंगल में शव पड़ा मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि शव के पास तड़के तीन युवक देखे गए थे।

थाना परीक्षितगढ़ के गांव अगवानपुर निवासी राहुल (28) पुत्र टेकचंद शनिवार रात 8 बजे अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने तलाश करने के बाद रविवार तड़के सुबह तीन बजे चितमान चौकी पर गुमशुदगी की तहरीर दी। रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे राहुल का गोली लगा शव खुटी अगवानपुर संपर्क मार्ग पर पड़ा मिला। इसके बाद सैकड़ों ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष विजय कुमार राय शव को मोर्चरी भेजने लगे। ग्रामीणों ने मुआवजे और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव नहीं उठने दिया। एसपी देहात अभिजीत कुमार के समझाने पर ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया।वहीं एसपी देहात ने बताया कि हत्यारों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। क्राइम ब्रांच, एसओजी और थाना पुलिस जांच में लगाई है। गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है। परिजनों से भी पूछताछ चल रही है।गांव वालों ने देखे थे तीन युवकग्रामीणों ने बताया कि अगवानपुर खूंटी मार्ग पर आरिफ की ट्यूबवेल से एक कारतूस, 50 मीटर दूर से दूसरा व कूछ दूरी पर तीसरा व चौथा खोखा शव के पास से बरामद किया। ईख बांध रहे मजदूरों ने बताया कि अल सुबह एक बाइक पर सवार तीन युवक देखे थे। परिजनों ने बताया कि राहुल दूसर चप्पल पहनकर घर से निकला था और शव के पास दूसरी चप्पल मिली है।इकलौता बेटा था राहुलराहुल अपने परिवार का इकलौता बेटा था। वह मजदूरी करता था। उसकी पत्नी अंजलि, पांच साल का बेटा वंश, चार साल का लकी और तीन साल का लव है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

24 मीटर या उससे चौड़े मार्ग को ही कह सकते हैं बाजार स्ट्रीट, कैंट विधायक ने प्रमुख सचिव को लिखा पत्र

मेरठ(आरएनएस)। सेंट्रल मार्केट को बाजार स्ट्रीट का दर्जा दिए जाने को लेकर तकनीकी अड़चनों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। कैंट विधायक अमित अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट बायलाज 2025 में संशोधन करते हुए बिंदु पांच में बाजार स्ट्रीट और बिंदु आठ मिश्रित भू उपयोग के प्रविधानों में संशोधन की मांग की है।

प्रमुख सचिव आवास और शहरी नियोजन को लिखे पत्र में कहा है कि आवास विकास परिषद ने कालोनियों का निर्माण तो किया है, लेकिन स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की रोजमर्रा पूर्ति के लिए सुनियोजित बाजार विकसित नहीं किया गया है। पिछले 50 वर्ष में मेरठ समेत कई प्रमुख शहरों में फुटकर बाजार विकसित हुए हैं, लेकिन नए बायलाज में 10 लाख या उससे अधिक आबादी वाले शहरों में 24 मीटर या उससे चौड़ी रोड पर बाजार स्ट्रीट का प्रविधान है। वहीं 10 लाख से कम आबादी वाले शहरों में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर भी इसका प्रविधान है। कैंट विधायक ने 10 लाख की बाध्यता को समाप्त करने की मांग की है।सुप्रीम कोर्ट के सेंट्रल मार्केट प्रकरण पर दिए गए आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि 22 दुकानें तोड़ दी गई हैं। 1463 व्यावसायिक निर्माणों पर और कार्रवाई होनी है। इसके विरोध में व्यापारी प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मेरठ समेत अन्य शहरों में नौ मीटर से 18 मीटर और उससे अधिक चौड़े मार्गों के बाजारों को बाजार स्ट्रीट घोषित करने की मांग की है। कैंट विधायक ने कहा इन संशोधन के बाद इन्हें मेरठ महायोजना में शामिल कराया जाएगा।

अधिकारियों के आश्वासन पर धरना समाप्त

मेरठ।(आरएनएस) सेंट्रल मार्केट में ध्वस्त किए कांप्लेक्स के व्यापारियों और उनके स्वजन द्वारा दिया जा रहा धरना शनिवार को समाप्त हो गया। सुबह डीएम वीके सिंह, एसएसपी विपिन ताडा और आवास विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार के साथ व्यापारियों की बैठक हुई। किशोर वाधवा, रजत अरोड़ा, रजत गोयल और राजीव गुप्ता वार्ता के लिए पहुंचे। व्यापारियों ने मुआवजे के रूप में एक करोड़ रुपये दिये जाने, कांप्लेक्स में ध्वस्त दुकानों को उसी स्थान पर भू उपयोग परिवर्तित करते हुए दुकानें देने और जब तक कांप्लेक्स में दुकानें नहीं मिल जाती तब तक के लिए किसी जगह व्यापार करने के लिए दुकानें आवंटित किए जाने की मांग रखी।किशोर वाधवा ने बताया कि अधिकारियों ने मांगों के संबंध में सकारात्मक रवैया अपनाया। कहा शासन स्तर पर भी उनकी मांगों को पूरा करने के लिए गंभीरता से प्रयास है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। शुक्रवार को परिवारजनों के साथ धरने पर बैठे व्यापारियों ने जनप्रतिनिधियों पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया था। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा से भी अनशन पर बैठी महिलाओं ने गुस्से का इजहार किया था।

आत्म-नियंत्रण, समर्पण और क्षमा उत्तराखंड का नैतिक रोडमैप

Kkuidk'k feJk

स्वामी यतीश्वरानंद एक जाने–माने आध्यात्मिक नेता और उत्तराखंड के हरिद्वार ग्रामीण से भाजपा विधायक हैं। उन्होंने 2012 और 2017 के विधानसभा चुनावों में उत्तराखंड विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। विशेष रूप से, 2017 में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत को हराया था। तीरथ सिंह रावत के नेतृत्व वाली सरकार में, उन्होंने मार्च 2021 से 2022 के चुनाव तक कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया। आध्यात्मिक पक्ष पर, वह आर्य समाज के दर्शन और स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से प्रेरणा लेते हैं। उनके पास एक मंत्री के रूप में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, और उन्होंने धार्मिक सिद्धांतों और राजनीतिक इच्छाशक्ति से प्रेरित होकर कई पहलें और कार्य किए हैं। गंगा पर्यावरण संबंधी चिंताओं और गायों के संरक्षण पर उनका प्राथमिक ध्यान है। उन्होंने उत्तराखंड गंगा आयोग (गौ सेवा आयोग) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है और गायों की सुरक्षा के लिए कई जन–अभियान शुरू किए हैं। उन्होंने खुले तौर पर गायों के वध के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना की है, इसे ष्देवभूमिष (देवताओं की भूमि) के रूप में दर्शाया है। उनका घोषित पर्यावरण और संरक्षण ध्यान खनन का विरोध करने पर केंद्रित है, जबकि स्थानीय लोगों के लिए कानूनी खनन की आर्थिक आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। इमर्जिंग वर्ल्ड (ॅ) के प्रतिनिधि और वरिष्ठ संपादकीय ने उत्तराखंड के हरिद्वार में स्वामी जी से मुलाकात की और उनसे राज्य के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की स्वामी जी, उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य को कई जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा क्यों है कि उत्तराखंड के लोग, हालांकि वे अपनी जड़ों से बहुत जुड़े हुए हैं, फिर भी बेहतर अवसरों की तलाश में अपने राज्य से बाहर जा रहे हैं, जिससे राज्य के भीतर लगभग 5,33,480 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र में जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा हो रहा है? यह एक बड़ी चुनौती है।स्वामी यतीश्वरानंदरू आपने एक बहुत ही महत्वपूर्ण समस्या पर प्रकाश डाला है। पिछले दो

दशकों में, उत्तराखंड का विकास काफी हद तक एक चुनौती बना हुआ है, क्योंकि पिछले कई वर्षों में, राज्य में कोई भी सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई है। यह एक बड़ी चुनौती है। मुझे विश्वास है कि एक स्थिर सरकार ही राज्य के लोगों के लिए विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। मुझे विश्वास है कि जो सरकारें आती हैं वे इस दिशा में काम करना शुरू करती हैं, लेकिन उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले ही वे चली जाती हैं, जिससे विकास की प्रक्रिया रुक जाती है। लेकिन, मुझे विश्वास है कि इस बार, उत्तराखंड के लोगों ने एक स्थिर सरकार को चुना है, और मुझे विश्वास है कि यह सरकार अपने वादों को पूरा करेगी। **ljdkj us gky gh esa mÙkjk[kaM dk ufrd jkMeSi uked ,d igy 'k: dh gSA ;g D;k gS**स्वामी यतीश्वरानंदरू सरकार ने हाल ही में श्उत्तराखंड का नैतिक रोडमैपश नामक एक पहल शुरू की है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। यह एक ऐसा रोडमैप है जो राज्य के लोगों को नैतिक मूल्यों, आत्म–नियंत्रण, समर्पण और क्षमा के महत्व को सिखाएगा। यह रोडमैप राज्य के लोगों को एक बेहतर नागरिक बनने में मदद करेगा। यह रोडमैप राज्य के लोगों को एक बेहतर समाज बनाने में मदद करेगा।**Lokeh th] vki jktuhfr esa gSA D;k vkidks yxrk gS fd Nk=ksa dks jktuhfr esa lh/ks rkSj ij 'kkfey gksuk pkfg,**स्वामी यतीश्वरानंद मेरा मानना है कि छात्रों को राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं होना चाहिए। उन्हें पहले अपनी पढ़ाई पूरी करनी चाहिए और फिर राजनीति में आना चाहिए। राजनीति एक गंभीर व्यवसाय है। इसमें बहुत समर्पण और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। स्वामी जी, आपकी पार्टी पिछले कई वर्षों से सत्ता में है। क्या आपको लगता है कि आपकी पार्टी ने उत्तराखंड के लोगों के लिए कुछ किया है?स्वामी यतीश्वरानंद हमारी पार्टी ने उत्तराखंड के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। हमने राज्य के लोगों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, और स्वच्छ भारत अभियान। इन योजनाओं से राज्य के लोगों को बहुत लाभ हुआ है।ॅरू स्वामी जी, आप स्वामी दयानंद सरस्वती जी के अनुयायी हैं। आप उनके सिद्धांतों को युवाओं के लिए कैसे प्रासंगिक मानते हैं?स्वामी यतीश्वरानंद मैं स्वामी दयानंद सरस्वती जी के सिद्धांतों को युवाओं के लिए बहुत प्रासंगिक मानता हूं। उनके सिद्धांत आत्म–नियंत्रण, समर्पण और क्षमा पर आधारित हैं। ये सिद्धांत युवाओं को एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर सकते हैं।स्वामी जी, क्या आप आर्य समाज के सिद्धांतों और शिक्षाओं के प्रचार के लिए कोई विशेष अभियान चलाने की योजना बना रहे हैं?स्वामी यतीश्वरानंदरू हां, मैं आर्य समाज के सिद्धांतों और शिक्षाओं के प्रचार के लिए एक विशेष अभियान चलाने की योजना बना रहा हूं। इस अभियान के तहत, हम युवाओं, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण के बारे में शिक्षित करेंगे।

Lokeh th] mÙkjk[kaM esa i;ZVu dk cgqr egRo gSA D;k vkidks yxrk gS fd ljdkj us i;ZVu dks c<+kok nsus d fy, dN fd;k gS
स्वामी यतीश्वरानंद सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बहुत कुछ किया है। हमने राज्य में कई पर्यटन स्थलों का विकास किया है, जैसे कि चार धाम यात्रा, ऑल–वेदर रोड परियोजना, और ऋषिकेश–कर्णप्रयाग परियोजना। इन परियोजनाओं से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिला है। स्वामी जी, उत्तराखंड में शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्या लगातार बढ़ रही है। क्या आपको लगता है कि सरकार ने इस समस्या को हल करने के लिए कुछ किया है? स्वामी यतीश्वरानंद सरकार ने इस समस्या को हल करने के लिए बहुत कुछ किया है। हमने श्ड्रग–फ्री देवभूमिश अभियान शुरू किया है, जिसके तहत हम युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में शिक्षित कर रहे हैं।स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कुछ किया जाना चाहिए? स्वामी यतीश्वरानंद हां, मुझे लगता है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए बहुत कछ किया जाना चाहिए। हमें स्कूलों और कॉलेजों में नैतिक शिक्षा शुरू करनी चाहिए। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कुछ करना चाहिए?स्वामी यतीश्वरानंदरू सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनाश शुरू की है, जिसके तहत हम युवाओं को अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण प्रदान कर रहे हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए?स्वामी यतीश्वरानंद सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्आयुष्मान भारत योजनाश शुरू की है, जिसके तहत हम लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे है। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए?स्वामी यतीश्वरानंदरू सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्चार धाम ऑल–वेदर रोड परियोजनाश शुरू की है, जिसके तहत हम राज्य में सड़कों का निर्माण कर रहे हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए पानी की आपूर्ति में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए?स्वामी यतीश्वरानंदरू सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए पानी की आपूर्ति में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्जल जीवन मिशनश शुरू किया है, जिसके तहत हम लोगों को स्वच्छ पानी प्रदान कर रहे हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए बिजली की आपूर्ति में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए? स्वामी यतीश्वरानंद सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए बिजली की आपूर्ति में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने राज्य में बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए कानून और व्यवस्था में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए?स्वामी यतीश्वरानंद सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए कानून और व्यवस्था में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने राज्य में पुलिस बल को मजबूत किया है और अपराध को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए महिला सुरक्षा में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए? स्वामी यतीश्वरानंदरू सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए महिला सुरक्षा में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश अभियान शुरू किया है, जिसके तहत हम महिलाओं को शिक्षित कर रहे हैं और उन्हें सशक्त बना रहे हैं। स्वामी जी, क्या आपको लगता है कि सरकार को उत्तराखंड के लोगों के लिए किसानों के कल्याण में सुधार के लिए कुछ करना चाहिए? स्वामी यतीश्वरानंद सरकार उत्तराखंड के लोगों के लिए किसानों के कल्याण में सुधार करने के लिए बहुत कुछ कर रही है। हमने श्प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाश शुरू की है, जिसके तहत हम किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

आयकर कार्यालय में टैक्स पेयर हब का आयोजन

vf/kdkfj;ksa u vk;dj vf/kfu;e esa ifjorZu dks yksxksa d chp fd;k lk>k

प्रयागराज। आयकर भवन, इलाहाबाद में प्रधान आयकर आयुक्त, इलाहाबाद मानस मेहरोत्रा के मार्गदर्शन में टैक्स पेयर्स हब का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि, अवकाश प्राप्त मुख्य आयकर आयुक्ध्त अशोक कुमार झा, आई.आर.एस. ने की। श्री झा, जो आयकर विधेयक 2025 का मसौदा तैयार करने के लिए गठित कोर समिति के सदस्य थे, ने आयकर सभागार में उपस्थित गणमान्य लोगों के समक्ष नए आयकर अधिनियम, 2025 में किए गए परिवर्तनों के सम्बन्ध में जानकारी साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान आयकर निदेशालय, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रचार–1, नई दिल्ली से आयी अपर आयकर आयुक्ध्त श्रीमती प्रतिभा चौधरी एवं शारदा मीना ने भी विभाग में हो रहे परिवर्तनों से प्रजेन्ध्टेंशन के माध्यम से सभी को अवगत कराया। साथ में नई दिल्ली से आए उनके सहयोगी अधिकारी गण ने भी महत्वपूर्ण परिवर्तनों से अवगत कराया। कार्यक्रम में आयकर आयुक्ध्त अपील कौशलेंद्र तिवारी, अपर आयकर आयुक्त शिव कुमार राय, ए०के० सिंह एवं अतुल कुमार पांडे, सहायक आयकर आयुक्त एल पी बिसेन, आयकर अधिकारी अरूप कुमार मुखर्जी, नंदन सोनकर, रवि मेहता, योगेश्वर राय, ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव पुरुषोत्तम, रविन्द्र गौड़ भगवान पटेल, श्रीयंक आनंद नागेन्द्र यादव, आयकर बार एसोशिएसन के अध्यक्ष अतुल कुमार साहू, सचिव अरविन्द कुमार मिश्रा, बार के सदस्य गण, चार्टर्ड एकाउन्ध्टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार शुक्ध्ला, सचिव अभिनव कोहली एवं सदस्य गण सहित आयकर विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

खिलाड़ी के तौर पर टूटा दिल, कोच बनकर चैंपियन बनाया! अमोल मजूमदार की जीत से भरी दास्तान

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार की कहानी फिल्म चक दे इंडिया के कबीर खान की याद दिलाती है, जिन्होंने अपनी टीम को महिला विश्व कप खिताब दिलाकर इतिहास रचा। घरेलू क्रिकेट में शानदार करियर के बावजूद भारत के लिए न खेल पाने का उनका मलाल इस ऐतिहासिक जीत से दूर हुआ, जहाँ उन्होंने टीम को गुटबाजी और अनुशासनहीनता के दौर से निकालकर एकजुट किया। यह विजय उनके अथक प्रयासों और अटूट विश्वास का परिणाम है।रविवार को जब हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीता, तो पूरी टीम खुशी से झूम उठी। शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों को टीम के पहले महिला विश्व कप खिताब के पीछे का हीरो माना गया। लेकिन पर्दे के पीछे एक और शख्स खड़ा था, जिसकी आँखों में आँसू थे, जब हरमनप्रीत की टीम ने इतिहास रच दिया। वह शख्स कोई और नहीं, बल्कि टीम के मुख्य कोच, अमोल अनिल मजूमदार थे।अपने 51वें जन्मदिन से ठीक एक हफ्ते पहले, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के लिए इससे बेहतर तोहफा और क्या हो सकता था। अक्टूबर 2023 में कार्यभार संभालने के बाद से, दो साल तक, मजूमदार की नजरें घरेलू विश्व कप पर टिकी रहीं। चौदह साल पहले, उन्होंने अपने कुछ सबसे अच्छे दोस्तों, जिनमें सचिन तेंदुलकर भी शामिल थे, को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में घरेलू मैदान पर 50 ओवरों का विश्व कप उठाते देखा था। घरेलू स्तर पर अपने तमाम कारनामों के बावजूद दृ उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 4813 की औसत से 11167 रन बनाए दृ इस दाएँ हाथ के बल्लेबाज को कभी देश के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। यह विश्व कप जीत, निश्चित रूप से, उस कड़वी निराशा को मिटाने में कुछ हद तक मददगार साबित होगी।मजूमदार ने मुश्किल दौर में भारतीय महिला टीम की कमान संभाली थी। पिछले पाँच सालों में, रमेश पोवार, डब्ल्यूवी रमन और फिर खुद पोवार टीम की कमान संभाल चुके थेय पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज रमन की अगुवाई में टीम ने 2020 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन इसके अलावा, वैश्विक प्रतियोगिताओं में टीम के लिए यह बेहद निराशाजनक दौर रहा। मजूमदार की नियुक्ति से पहले के दस महीनों में, भारत के पास कोई पूर्णकालिक मुख्य कोच नहीं था। दिसंबर 2022 में पोवार के अचानक पद से हटने और मजूमदार के कार्यकाल की शुरुआत के बीच, ऋषिकेश कानिटकर और नूशिन अल खादीर ने अंतरिम रूप से कार्यभार संभाला था। टीम के भीतर अशांति, गुटबाजी, आपसी विश्वास में कमी, खिलाड़ियों के अलग–अलग दिशाओं में जाने और अनुशासनहीनता की सुगबुगाहटें आम थीं – ये सुगबुगाहटें तब होती थीं जब कोई भी टीम, चाहे वह पुरुष हो या महिला, किसी भी खेल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती।घरेलू क्रिकेट में 20 सत्र और 11000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने के बावजूद भारत की जर्सी पहनने का उनका सपना अधूरा ही रहा। बतौर खिलाड़ी कई बार दिल टूटा , कई मलाल रह गए लेकिन इस जीत ने उनके सफर को मुकम्मिल कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद 'गुरू' मजूमदार के पैर छूए और गले लगकर रो पड़ी तो टीवी के आगे नजरे गड़ाये जीत का जश्न देख रहे हर क्रिकेटप्रेमी की आंख भी भर आई। इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे मजूमदार की कहानी शाहरूख खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' के हॉकी कोच कबीर खान की याद दिलाती है जो हर कयास को गलत साबित करके टीम को विश्व कप दिलाता है और यह जीत उसके अतीत के कई घावों पर मरहम भी लगा जाती है। जीत मिलने के बाद वह जश्न के बीच अपने भीतर जज्बात के तूफान को समेटने की कोशिश करता नजर आता है लेकिन चेहरे पर सुकून साफ दिखाई देता है। मजूमदार ने फाइनल में जीत के बाद कहा, '' मैं उनसे (भारतीय खिलाड़ियों) यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं।हम उन तीनों मैचों (लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैच) में काफी प्रतिस्पर्धी रहे और ये सभी मैच काफी करीबी थे।'' दो साल पहले टीम के कोच बने मजूमदार की नजरें हमेशा से इस विश्व कप पर थी लेकिन तब यह असंभव सा लग रहा था क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं थी लेकिन नतीजे नहीं मिल रहे थे। पिछले पांच साल में रमेश पोवार, डब्ल्यू वी रमन और फिर पोवार कोच रह चुके थे। रमन के कार्यकाल में भारत आस्ट्रेलिया में 2020 में टी20 विश्व कप के फाइनल में जरूर पहुंचा लेकिन उसके अलावा वैश्विक स्पर्धाओं में निराशा ही हाथ लगी। यही नहीं टीम के भीतर गुटबाजी, विश्वास की कमी और अनुशासनहीनता की भी खबरें गाहे बगाहे आ रही थी। मजूमदार के आने से पहले करीब दस महीने तक भारतीय टीम के पास पूर्णकालिक कोच नहीं था। पोवार को दिसंबर 2022 में हटा दिया गया था और बीच में रिषिकेश कानिटकर तथा नूशीन अल कादिर अंतरिम तौर पर काम देख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता। सभी खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखा। अच्छे प्रदर्शन पर पीठ थपथपाई तो बुरे दौर में साथ खड़े दिखे। आलोचनाओं के बीच अपने खिलाड़ियों के लिये ढाल बनकर खड़े नजर आये और यहीं से नींव पड़ी विश्वास के ऐसे रिश्ते की जिसकी परिणिति विश्व कप ट्रॉफी के रूप में 'गुरूदक्षिणा' के साथ हुई। पूरे टूर्नामेंट में टीम एकजुट नजर आई। खिलाड़ी एक दूसरे की सफलता का जश्न मनाते और कठिन दौर में एक दूसरे का सहारा बने दिखे। एक चौम्पियन टीम बनने के लिये आखिर पहली शर्त को यही होती है। बतौर खिलाड़ी भी मजूमदार ने अपने हुनर का लोहा मनवाया था। नब्बे के दशक में इंग्लैंड दौरे पर भारतीय अंडर 19 टीम के उपकप्तान रहे मजूमदार को 'नया तेंदुलकर' कहा जाने लगा था। तेंदुलकर की ही तरह शारदाश्रम स्कूल में रमाकांत आचरेकर के शिष्य रहे मजूमदार ने 1994 . 95 में भारत ए के लिये राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के साथ खेला। लेकिन भारत के लिये खेलने का सपना पूरा नहीं हो सका जबकि उनके समकालीन तेंदुलकर, द्रविड़ और गांगुली भारतीय क्रिकेट के लीजैंड बन गए। मुंबई टीम के दिग्गजों में से रहे मजूमदार बाद में वह असम और आंध्र के लिये भी खेले। मुंबई के लिये 1993 . 94 रणजी सत्र में पदार्पण करने वाले मजूमदार ने हरियाणा के खिलाफ 260 रन बनाये थे जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण पर सबसे बड़ी पारी का विश्व रिकॉर्ड था। बाद में इसे 2018 में अजय रोहेरा ने तोड़ा। मुंबई टीम के मुख्य कोच रह चुके मजूमदार राजस्थान रॉयल्स, भारत की अंडर 19 और अंडर 23 टीमों , नीदरलैंड क्रिकेट टीम और भारत दौरे पर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच रह चुके हैं। कोच कबीर खान ने विश्व कप फाइनल मुकाबले से पहले मशहूर '70 मिनट' वाली स्पीच दी थी , वहीं मजूमदार ने अपने खिलाड़ियों से सिर्फ इतना कहा कि इतिहास रचने के लिये बस एक रन अधिक बनाना है। टीम पर विश्वास इतना कि ग्रुप चरण में लगातार तीन हार के बावजूद किसी खिलाड़ी पर ठीकरा नहीं फोड़ा। लगातार कहते रहे कि टूर्नामेंट लंबा है और टीम अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। उनकी 15 जांबाज खिलाड़ियों ने अपने कोच के हर भरोसे को सही साबित कर दिखाया।

शानदार प्रदर्शन के बाद दिल्ली पहुंचेगी चौंपियन टीम इंडिया, पीएम मोदी से होगी भेंट

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने 2025 महिला विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला खिताब जीता। इस ऐतिहासिक जीत ने भारतीय खेलों में एक नया अध्याय लिखा है और प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसे भविष्य की पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया है। हरमनप्रीत कौर की टीम अब दिल्ली में पीएम मोदी से मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाएगी।महिला विश्व कप 2025 का समापन भारतीय महिलाओं द्वारा अपने पहले खिताब जीतने के साथ हुआ। 2 नवंबर को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में हुए टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं को हराकर भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के इतिहास रचने पर पूरा देश खुशी से झूम उठा। इस जीत के साथ ही, अब टीम के नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम 4 या 5 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली जाएगी।विश्व कप फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 298 रन बनाए। इसके बाद टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 246 रनों पर रोक दिया और 52 रनों से मैच जीतकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता। भारत की जीत सुनिश्चित होने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर महिला टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह जीत आने वाली पीढ़ी को खेलों में शामिल होने के लिए कैसे प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ष्आईसीसी महिला क्रिकेट

विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चौंपियन टीमों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।ष्अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, टीम देर रात तक जश्न मनाती रही। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ जश्न मनाते हुए कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिनमें अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी और मिताली राज जैसी पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हुईं।

योगी आदित्यनाथ ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी विश्व कप जीत की बधाई

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी महिला क्रिकेट टीम को जीत की बधाई दी। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय टीम को विश्व कप जीत की हार्दिक बधाई! आपने देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया।त्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईसीसी महिला विश्व कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, ऐतिहासिक विजय... विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हार्दिक अभिनंदन! देश वासियों को हृदयतल से बधाई! आप सभी देश का गौरव हैं। भारत माता की जय।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी महिला क्रिकेट टीम को जीत की बधाई दी।

यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय टीम को विश्व कप जीत की हार्दिक बधाई! आपने देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार रात नवी मुंबई में आयोजित फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार आईसीसी विश्व कप जीत लिया।

दीप्ति शर्मा का आलराउंडर जलवा प्लेयर आफ द टूर्नामिंट बन रचा नया इतिहास

दीप्ति शर्मा को महिला विश्व कप 2023 में 215 रन और 22 विकेट के साथ ऐतिहासिक ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए श्प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटश चुना गया। उनके निर्णायक योगदान ने भारतीय महिला टीम को पहली बार विश्व कप खिताब जीतने में मदद की, साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी बनाया।दीप्ति शर्मा ने रविवार को नवी मुंबई में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत को पहली बार महिला विश्व कप का खिताब दिलाने के लिए एक शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। इस ऑलराउंडर को 215 रन बनाने और 22 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से निर्णायक भूमिका निभाई। फाइनल में दीप्ति की पारी एक महत्वपूर्ण समय पर आई जब भारत को बीच के ओवरों में स्थिरता की जरूरत थी। उनके धैर्यपूर्ण 58 रनों ने पारी को संभाला और टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की, इससे पहले कि उन्होंने गेंद से मैच का रुख पलट दिया, पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी लाइनअप को ध्वस्त कर दिया, क्योंकि उन्होंने 9.3 ओवर में 5ध्39 रन बनाए।पूरे टूर्नामेंट में अपनी अविश्वसनीय निरंतरता के साथ, दीप्ति महिला विश्व कप के इतिहास में पहली खिलाड़ी बन गईं नौ मैचों और सात पारियों में, उन्होंने 30.71 की औसत और 90.71 की स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे, और उनका उच्चतम स्कोर 58 रन था। वह गेंद से भी उतनी ही शानदार रहीं, और 24.11 की औसत से 22 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं, और उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5ध39 रहा। दीप्ति

ने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी तोड़े। अब वह किसी एक महिला विश्व कप में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड रखती हैं, उन्होंने 1981–82 संस्करण में शुभांगी कुलकर्णी के 20 विकेट और 2005 विश्व कप में नीतू डेविड के 20 विकेट को पीछे छोड़ दिया। वह महिला विश्व कप फाइनल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय भी बनीं।कुल मिलाकर, दीप्ति के प्रदर्शन ने उन्हें विश्व कप इतिहास में भारत की सबसे महान गेंदबाजों में शामिल कर दिया है। वह अब महिला विश्व कप मैचों में 36 विकेट के साथ भारत की ओर से दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, उनसे आगे केवल झूलन गोस्वामी हैं, जिनके नाम 43 विकेट हैं। डायना एडुल्जी 31 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि नीतू डेविड और पूर्णिमा राउ के नाम 30–30 विकेट हैं। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना (58 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 45 रन) और शेफाली वर्मा के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत के लिए शुरुआत की, इसके बाद शेफाली (78 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 87 रन) और जेमिमा रोड्रिग्स (37 गेंदों में एक चौके की मदद से 24 रन) के बीच 62 रनों की साझेदारी हुई। भारत 166ध2 के बेहतरीन स्कोर पर था।

एशिया कप ट्रूरफी कहां है? बीसीसीआई का बड़ा खुलासा, आइसीसी के दरवाजे खटखटाने की तैयारी!

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया है कि यदि 3 नवंबर तक एशिया कप ट्रॉफी प्राप्त नहीं होती है, तो यह मामला 4 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाया जाएगा। भारत ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद इसे मंच से हटा लिया गया, जो दोनों देशों के बीच सीमा पार तनाव का परिणाम है। यह कदम बीसीसीआई की न्याय और विवाद के अंतरराष्ट्रीय समाधान की मांग को दर्शाता है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने खुलासा किया कि बोर्ड अभी भी एशिया कप ट्रॉफी का इंतजार कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सोमवार तक ट्रॉफी उन्हें नहीं सौंपी गई, तो 4 नवंबर को होने वाली बैठक में यह मामला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाया जाएगा। भारत ने फाइनल मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। भारत के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक अधिकारी ने एशिया कप ट्रॉफी को मंच से हटा दिया और बिना कोई कारण बताए उसे मैदान से बाहर ले गए।इस मुद्दे पर बात करते हुए, देवजीत सैकिया ने एएनआई को बताया, ष्दस दिन पहले, हमने एसीसी अध्यक्ष को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि वह जल्द से जल्द बीसीसीआई को ट्रॉफी सौंप दें। हालाँकि, आज तक हमें ट्रॉफी नहीं मिली है। हम एक और दिन का इंतजार कर रहे हैं। अगर हमें 3 नवंबर तक ट्रॉफी नहीं मिलती है, तो दुबई स्थित आईसीसी मुख्यालय में एक बैठक होगी। हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था के समक्ष अपनी शिकायत उठाएँगे। मुझे यकीन है कि आईसीसी न्याय करेगा और

पढ़ाई के दौरान नहीं लगेगी झपकी, बच्चों के दिनचर्या में शामिल करें ये आदतें

बच्चों की पढ़ाई के दौरान झपकी आना एक आम समस्या है। यह न केवल उनकी पढ़ाई की क्षमता को प्रभावित करता है, बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। इसलिए माता–पिता को चाहिए कि वे बच्चों की पढ़ाई के समय कुछ ऐसी आदतें विकसित करें, जिससे वे जागते रहें और ध्यान केंद्रित कर सकें। इस लख में हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताने जा रहे हैं, जो बच्चों को पढ़ाई के दौरान झपकी से बचा सकती हैं।पढ़ाई का समय तय करेंबच्चों की पढ़ाई का समय तय करना बहुत जरूरी है। इससे उन्हें पता होता है कि कब उन्हें पढ़ाई करनी है और कब आराम करना है। एक नियमित समय सारणी बनाएं और उसे फालो करें ताकि बच्चे तैयार रहें और उनका ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित रहे। इसके अलावा समय सारणी में छोटे–छोटे ब्रेक शामिल करें ताकि बच्चे थकावट महसूस न करें और उनकी ऊर्जा बनी रहे। इस तरह वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे।आरामदायक माहौल बनाएंपढ़ाई का माहौल आरामदायक होना चाहिए ताकि बच्चे खुद को सहज महसूस करें। इसके लिए कमरे की रोशनी अच्छी होनी चाहिए, शोर कम होना चाहिए और हवा का प्रवाह अच्छा होना चाहिए। साथ ही बच्चों की टेबल और कुर्सी आरामदायक होनी चाहिए ताकि उनकी पीठ और गर्दन में दर्द न हो। इसके अलावा कमरे में कोई ऐसी चीज न रखें, जो ध्यान भटकाए जैसे मोबाइल या टीवी। इस तरह बच्चे बिना किसी रुकावट के पढ़ाई कर सकेंगे।नाश्ता न छोड़ेंनाश्ता ऊर्जा का मुख्य स्रोत होता है, इसलिए

बच्चों का नाश्ता कभी भी छोडना नहीं चाहिए। एक सेहतमंद नाश्ते में फल, दूध या कोई पौष्टिक चीजें शामिल करें, जिससे उनका दिमाग सक्रिय रहे और वे थकावट महसूस न करें। इसके अलावा नाश्ते के बाद बच्चों को पानी पीने के लिए भी कहें ताकि वे तरोताजा रहें। इससे उनकी एकाग्रता बढ़ेगी और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। इस तरह बच्चे बिना किसी रुकावट के पढ़ाई कर सकेंगे।मोबाइल और टीवी से दूर रखेंपढ़ाई के दौरान मोबाइल और टीवी का उपयोग कम से कम करें क्योंकि ये चीजें ध्यान भटकाने वाली होती हैं।

पेरेंटिंग तनाव से राहत चाहते हैं? इन 5 तरीकों को अपनाएं

पेरेंटिंग एक खूबसूरत जिम्मेदारी है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं, जिनसे तनाव पैदा हो सकता है। बच्चों की देखभाल, उनकी जरूरतों को पूरा करना और उनके भविष्य के लिए सही दिशा में मार्गदर्शन देना आसान नहीं होता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप पेरेंटिंग के तनाव को कम कर सकते हैं और अपने बच्चों के साथ बेहतर समय बिता सकते हैं।

समय का सही उपयोग करें

समय का सही उपयोग पेरेंटिंग के तनाव को कम करने का एक अहम तरीका है। अपने दिनचर्या को इस तरह से बनाएं कि आप सभी जरूरी काम समय पर कर सकें। इसके लिए आप एक योजना बना सकते हैं और उसमें बच्चों की पढ़ाई, खेलने का समय, घर के काम आदि को शामिल करें। इससे न केवल आपका समय बचता है, बल्कि आप ज्यादा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित महसूस करते हैं।खुद के लिए भी समय निकालेंपेरेंटिंग करते हुए अक्सर माता–पिता खुद की देखभाल करना भूल जाते हैं। खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है ताकि आप ताजगी महसूस कर सकें और आपका मनोबल बढ़ सके। आप कुछ मिनट रोजाना ध्यान कर सकते हैं या किताब पढ़ सकते हैं या फिर हल्की–फुल्की व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा और आप अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे।

परिवार के साथ बातचीत करें

परिवार के सभी सदस्यों के बीच खुली बातचीत बहुत जरूरी है। बच्चों को उनकी भावनाओं और समस्याओं के बारे में बात करने दें। इससे वे अपनी भावनाओं को समझ पाएंगे और उनका तनाव कम होगा। इसके अलावा माता–पिता को भी बच्चों की बातें ध्यान से सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान मिलकर ढूंढना चाहिए। इससे परिवार में आपसी समझ बढ़ेगी और सभी सदस्य एक–दूसरे के करीब आएंगे।

सकारात्मक सोच अपनाएं

सकारात्मक सोच अपनाना पेरेंटिंग के तनाव को कम करने का एक अहम तरीका है। जब भी कोई समस्या आए, उसे एक चुनौती के रूप में लें और उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। नकारात्मक विचारों को दूर रखें और अपने बच्चों को भी सकारात्मक नजरिया सिखाएं। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे। सकारात्मक सोच से आप मुश्किल हालात में भी शांत रहेंगे और सही निर्णय ले पाएंगे।मदद मांगने में न हिचकिचाएंअगर आपको लगता है कि आप अकेले सभी जिम्मेदारियों को नहीं संभाल पा रहे हैं तो मदद मांगने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। परिवार के अन्य सदस्यों या दोस्तों से मदद लें या किसी पेशेवर सलाहकार की मदद लें। इससे न केवल आपका बोझ हल्का होगा, बल्कि आप ज्यादा आराम महसूस करेंगे और अपने बच्चों के साथ बेहतर तरीके से समय बिता सकेंगे।

प्रेरणा अरोड़ा ने जगाई महादेव की गर्जना, बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा का गाना शिव स्तोत्रम् रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा का गीत शिव स्तोत्रम् रिलीज हो चुका है, और यह अध्यात्म और सिनेमा का ऐसा अद्भुत संगम है, जिसे देखकर और सुनकर मन श्रद्धा से भर उठता है। इस भक्ति गान के पीछे निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की गहरी व्यक्तिगत आस्था और समर्पण झलकता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत यह गीत दृश्य और श्रव्य चमत्कार से प्रेरित भक्ति की सच्ची भावना से ओतप्रोत भगवान शिव को समर्पित एक दिव्य अनुभव है। राजीव राज द्वारा संगीतबद्ध और गाया गया यह स्तोत्रम्, अपनी भव्यता में श्रद्धा का सार पकड़ता है। प्रेरणा अरोड़ा की सोच से जन्मे इस गीत में उन्होंने संगीत टीम के साथ मिलकर भगवान शिव की शक्ति, सौंदर्य और करुणा का सार बुना है। हर दृश्य में एक दिव्य ऊर्जा प्रवाहित होती है, जो इस ट्रैक को एक भव्य भक्ति गान बना देती है। यह गीत न केवल सुनने में अलौकिक है, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला भी है। फिल्म के मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू अपने तीव्र और सशक्त अभिनय से गीत के दृ श्यों में ऐसी प्राण–शक्ति भरते हैं कि हर क्षण श्रद्धा और जोश से सराबोर हो उठता है। सुधीर बाबू ने कहा, शिव स्तोत्रम् की शूटिंग मेरे लिए वास्तव में एक दिव्य अनुभव था। विशेष रूप से सेट पर बिताया गया हर पल ऐसा था, जैसे मैं स्वयं भगवान शिव की उपस्थिति में खड़ा हूं। जब मैंने पहली बार इस ट्रैक को सुना, तो उसकी ऊर्जा और आभा सिर्फ एक गीत तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक आध्यात्मिक जागरण जैसा था। सच कहूं तो एक अभिनेता के रूप में, ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो आत्मा को श्रद्धा के साथ गहराई से जोड़ दे। मुझे गर्व है कि जटाधारा में भक्ति की वही भावना और भगवान शिव की शक्ति का सार विद्यमान है।

निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, शिव स्तोत्रम् जटाधारा की आत्मा है। शुरुआत से ही मेरा उद्देश्य एक ऐसा गीत रचना था, जो पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर सच्ची भावना, श्रद्धा और विस्मय को जगाए। मैंने अपनी आस्था से जुड़कर संगीत टीम के साथ मिलकर इसे साकार किया है। हमने इसमें अपना पूरा दिल लगाया है और मुझे विश्वास है कि दर्शक उस पवित्र स्पंदन को बड़े पर्दे पर महसूस करेंगे। विश्वास और एकता की शक्ति को समर्पित, यह भगवान शिव को हमारी विनम्र भेंट है।इसमें दो राय नहीं है कि गूंजते मंत्रों और प्रतीकात्मक दृश्यों से सजा शिव स्तोत्रम् इस वर्ष का सबसे प्रभावशाली भक्ति गीत बनकर उभरेगा, क्योंकि यह एक ऐसा गीत है, जो शाश्वत और नवीन होने के साथ अध्यात्म और सिनेमा को भी जोड़ता है। । वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज तथा प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है। इसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है।सह–निर्माताओं में अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा, क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय, और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी शामिल हैं। फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य

भूमिकाओं में हैं, जबकि सह कलाकारों में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृ ष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुभलेखा सु धाकर शामिल हैं। जी म्यूजिक कंपनी द्वारा समर्थित इसका संगीत एल्बम सिनेमा को नई आध् यात्मिक ऊंचाइयों तक ले जाने का वादा करता है। जटाधारा न केवल आस्था और नियति की कहानी है, बल्कि प्रकाश और अंधकार के सनातन संघर्ष की भव्य यात्रा भी है, जिसे प्रेरणा अरोड़ा ने अपनी आध्यात्मिक दृष्टि और अटूट समर्पण से जीवंत किया है।

बाहुबली द एपिक ने बाक्स आफिस पर लगाई दहाड़, आते ही की थामा की हालत खराब

साउथ सिनेमा को बालीवुड में प्रचलित करने में एसएस राजामौली का बड़ा योगदान है। जब राजामौली साल 2015 में बाहुबली लेकर आए तो हिंदी पट्टी के दर्शकों ने भी इस पर खूब प्यार लुटाया, जिसके बाद बाक्स आफिस का पूरा समीकरण बदल गया। फिर लाए वो बाहुबली 2, जिसके बाद साउथ की फिल्मों की दीवानगी बालीवुड में और बढ़ गई। अब इन दोनों फिल्मों को मिलाकर राजामौली ने बाहुबली द एपिक तैयार की, जिसने आते ही कमाल कर दिया।

बाहुबली द एपिक ने 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। इसे रिलीज के पहले दिन दर्शकों से खूब प्यार मिला और इसे देख दर्शक रोमांच से भर उठे। फिल्म ने शानदार शुरुआत की है। सैकनिल्क के मुताबिक बाहुबली द एपिक ने 9. 25 करोड़ से अपना खाता खोला, वहीं स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म ने 1. 15 करोड़ रुपये कमाए थे। इसी के साथ बाहुबली द एपिक की पहले दिन की कुल कमाई 10.40 करोड़ रुपये हो गई है।बाहुबली द एपिक करीब 3 घंटे 45 मिनट लंबी है। सोशल मीडिया पर हर तरफ इसे सिर्फ सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रशंसकों का कहना है कि 10 साल बाद भी राजामौली की बाहुबली का जादू फीका नहीं पड़ा है। इस फिल्म के आगे नई फिल्में थामा और एक दीवाने की दीवानियत भी फीकी पड़ गई। बाहुबली द एपिक की इतनी कमाई देख माना जा रहा है कि वीकेंड पर ये फिल्म धांसू कमाई कर सकती है।पिछले कुछ समय से विवादों में रही फिल्म द ताज स्टोरी भी 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन ये रिलीज के पहले दिन दर्शक इकट्ठा करने में असफल रही। इसका सामना बाहुबली द एपिक से हो रहा है, जिसकी वजह से इसका खेल बिगड़ता नजर आ रहा है। द ताज स्टोरी ने रिलीज के पहले दिन 1.04 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। 25 से 30 करोड़ रुपये के बजट के हिसाब से फिल्म का प्रदर्शन निराशाजनक है।आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा की कमाई भी बाहुबली द एपिक से काफी प्रभावित हुई है। 11वें दिन फिल्म ने महज 3 करोड़ रुपये कमाए। 145 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म अब तक 111.40 करोड़ रुपये कमा पाई है। उधर 25 करोड़ रुपये की लागत में बनी हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि भर–भरकर नोट भी छापे हैं। फिल्म 57.65 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

नेटफ्लिक्स पर दिखाई देगी कपूर खानदान की विरासत, डाइनिंग विद द कपूर्स की रिलीज तारीख जारी

हिंदी सिनेमा पर 1930 के दशक से राज करने वाले कपूर खानदान की आज भी बालीवुड में काफी इज्जत है। करीना कपूर, करिश्मा कपूर और रणबीर कपूर पर्दे पर राज कर रहे हैं। फिल्मों के अलावा कपूर खानदान के खाने को लेकर किस्से भी चर्चा का विषय रहे हैं। अब अपने इन्हीं शौक और जिंदगी के खास पलों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए कपूर फैमिली की नई डाक्यूमेंट्री आ रही है। कपूर फैमिली की नई डाक्यूमेंट्री डाइनिंग विद द कपूर्स का नया पोस्टर और रिलीज डेट सामने आ चुका है।

नेटफ्लिक्स ने नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें करिश्मा कपूर, करीना कपूर, जहान कपूर, अगस्त्य नंदा, आदर जैन, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर, बबीता कपूर, रणबीर कपूर, अरमान जैन, नव्या नवेली नंदा समेत कई स्टार दिख रहे हैं। पोस्टर को शेयर कर नेटफ्लिक्स ने लिखा, कपूर खानदान का लंच इनवाइट आ गया है और आप आमंत्रित हैं। 21 नवंबर को रिलीज होने वाला डाइनिंग विद द कपूर्स जरूर देखें। इस डाक्यूमेंट्री को अरमान जैन ने क्रिएट किया है और निर्देशित और लेखन का काम स्मृति मुंद्रा ने किया है।

डाक्यूमेंट्री में सिर्फ खाने की बातें नहीं होंगी, बल्कि खाने के साथ कपूर फैमिली के पर्सनल राज और अटूट प्रेम को भी दिखाया जाएगा। महान कलाकार पृथ्वीराज कपूर और उसके बाद राज कपूर की विरासत को आज की पीढ़ी अपने तरीके से दर्शकों तक पहुंचाएगी। नेटफ्लिक्स की डाक्यूमेंट्री कपूर खानदान के सदस्यों के बचपन, प्रेम, सिनेमा और परिवार के रिश्ते को दिखाएगी। ऐसा पहली बार है जब कपूर खानदान के इतिहास को पर्दे पर समेटकर दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा।

इससे पहले साल 2024 में पूरे देश के 40 शहरों में राज कपूर की 10 सुपरहिट फिल्मों की प्रदर्शनी रखी गई थी। बालीवुड के शोमैन राज कपूर के खाने के शौक से जुड़े किस्से आज भी सुनने को मिलते हैं। राज कपूर खाने के इतने शौकीन थे कि वो स्कूल के समय में घर का बना खाना दोस्तों में बांट देते थे और खुद पैसों से खरीद कर बाहर का तीखा और चटपटा खाना खाते थे। ऐसे ही दिवंगत

ऋषि कपूर भी पराठे के शौकीन थे। ज्यादा पराठे खाने की वजह से हाउसफुल 2 की शूटिंग में काफी परेशानी हुई थी। उन्होंने ये किस्सा खुद शेयर किया था।

विजय वर्मा की गुस्ताख इश्क का नया गाना शहर तेरे रिलीज, लोग बोले- दिल छू लिया

शहर तेरे मनीष मल्होत्रा की पहली फिल्म गुस्ताख इश्क– कुछ पहले जैसा का तीसरा गाना है। इससे पहले उल जलूल इश्क और आप इस धूप को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। फैशन की दुनिया में नाम कमा चुके मनीष मल्होत्रा अब स्टेज5 प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माता के रूप में अपना पहला सिनेमा लेकर आ रहे हैं, जो पुरानी मोहब्बत और जुनून को नए अंदाज में पेश करता है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।यह गाना उस एहसास को बयां करता है, जब किसी का इंतजार सालों जैसा लगता है, पर उम्मीद जिंदा रहती है। शहर तेरे दूरी को शब्द देता है और अधूरे जज्बातों को एक खूबसूरत कविता में बदल देता है। सर्दियों की खामोशी और बरसात की नमी के बीच समय और भावनाओं का सुंदर मेल इस गाने में दिखता है। विजय वर्मा और फातिमा सना शेख

की दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री गाने को और खास बनाती है। वहीं नसीरुद्दीन शाह और शारीब हाशमी अपनी दमदार मौजूदगी से इसे और गहराई देते हैं।इस गाने में संगीत के दिग्गज एक साथ आए हैं। विशाल भारद्वाज का सुकूनभरा संगीत, जाजिम शर्मा और हिमानी कपूर की भावनाओं से भरी आवाजें और गुलजार के दिल को छू जाने वाले बोल मिलकर इसे खास बनाते हैं।गुस्ताख इश्क– मनीष मल्होत्रा के निर्माता रूप की नई शुरुआत है जिसमें क्लासिक कहानी कहने का अंदाज और आधुनिक सिनेमा का संगम देखने को मिलेगा। उनके भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर बनी इस फिल्म का निर्देशन विभु पुरी ने किया है। कहानी पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों के बीच एक अधूरी, पर गहरी मोहब्बत की दास्तान बयां करती है। शहर तेरे के साथ अब वक्त है। उन अधूरे एहसासों और खामोश चाहतों में डूब जाने का गाना अब जी म्यूजिक पर उपलब्ध है।

राम चरण की फिल्म पेद्दी से जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक रिलीज, अचियम्मा की भूमिका में आएंगी नजर

राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म पेद्दी को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है। आज शनिवार को फिल्म निर्माताओं ने बालीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस अचियम्मा के रोल में नजर आएंगी।

फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया है। इसमें उन्होंने अभिनेत्री जान्हवी कपूर का पहला लुक और उनके किरदार के बारे में खुलासा किया है। फिल्म का दो पोस्टर जारी हुआ है। एक में एक्ट्रेस माइक पर कुछ बोलती दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने ब्लाउज में गागल फंसा रखा है। यह उनके स्वैग अंदाज को दिखा रहा है। इसके अलावा एक और पोस्टर में अभिनेत्री खुली जीप में जनता का अभिवादन स्वीकार करती दिख रही हैं। वहीं इसमें भी वह शानदार और हाट लुक में नजर आ रही हैं।

यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। पेद्दी में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म पेद्दी का निर्देशन बुचि बाबू सना द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण सुकुमार राइटिंग्स, मैत्री मूवी मेकर्स और टी–सीरीज द्वारा हो रहा है। वहीं इसे वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले संयुक्त रूप से तैयार किया जा रहा है। फिल्म में आस्कर विजेता ए.आर. रहमान संगीत तैयार कर रहे हैं, रत्नवेलु छायांकन, कोल्ला अविनाश कला निर्देशन और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं।

बिग बास तेलुगु 9ः राम्या मोक्षा ने घर से जल्दी बाहर होने के बारे में खुलकर बात की

बिग बास तेलुगु सीजन 9 की प्रतियोगी राम्या मोक्ष कंचारला ने शो से अचानक बाहर होने के अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश किया था, लेकिन टाइफाइड और डेंगू जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें 10 दिनों के भीतर ही शो छोड़ना पड़ा। राम्या ने खुलासा किया कि उनकी स्वास्थ्य समस्याएँ टीवी पर दिखाए गए संघर्षों से भी बदतर थीं। उन्हें थायराइड की समस्या, टान्सिलाइटिस, त्वचा संक्रमण और तेज बुखार था, जिसका खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया था। स्थानीय पानी और अस्वास्थ्यकर भोजन ने उनकी स्थिति को और बिगाड़ दिया, जिसके कारण उन्हें शो से बाहर होना पड़ा।राम्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी कहानी साझा करते हुए कहा कि लोगों ने उनके रूप–रंग को लेकर मीम्स बनाए, जिससे उन्हें ठेस पहुँची।

पर्पल ड्रेस में मोनालिसा ने दिखाई दिलकश अदाएं, फैंस ने की तारीफ

भोजपुरी फिल्मों और टीवी इंडस्ट्री की एक्ट्रेस मोनालिसा का जादू सोशल मीडिया पर लगातार देखने को मिलता रहता है। एक्ट्रेस जो कुछ पोस्ट करती हैं, वो आते ही सोशल मीडिया पर छा जाता है। एक्ट्रेस के दीवाने उनके बोल्ड लुक्स का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने पर्पल लुक से फैंस के दिलों की धड़कन को कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन रोक दिया है। मोनालिसा ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है, जिसमें वो पर्पल ड्रेस में दिख रही हैं।एक्ट्रेस ने स्किनी और शाइनी कपड़े वाली पर्पल ड्रेस पहनी है, जिसके साथ पोनी बनाकर एक्ट्रेस ने राउंड शेप के ईयररिंग पहने हैं।अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए मोनालिसा ने मिनिमल मेकअप किया है। एक्ट्रेस का ओवरआल लुक इतना अट्रैक्टिव है कि कोई भी उनका दीवाना हो जाए। एक्ट्रेस ने पोज देने के मामले में भी बालीवुड डीवास को पीछे छोड़ दिया है। एक्ट्रेस कभी सोफे पर तो कभी दरवाजे पर सिजलिंग पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, पर्पल लव।फैंस भी मोनालिसा के लुक के दीवाने हो गए हैं। एक यूजर ने तारीफ कर लिखा, आप इस उम्र में भी बहुत–बहुत सुंदर हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, हाय... कौन ऐसे लुक पर अपना दिल नहीं हारना चाहता। बता दें कि मोनालिसा फिलहाल देश के अलग–अलग राज्यों में इवेंट्स कर रही हैं। उनका अभी कोई सीरियल पाइपलाइन में नहीं है। एक्ट्रेस का पूरा फोकस फेस्टिवल इवेंट्स है और बाकी सोशल मीडिया पर अपनी अदाओं से ही अपनी मौजूदगी का अहसास करा देती हैं।एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर 5.9 मिलियन लोग फालो करते हैं। मोनालिसा को कई सुपरनैचुरल शो में देखा गया है, जिसमें नजर, नजर–2, श्मशान चंपा, नमक इश्क का, बेकाबू और जादू तेरी नजर शामिल है। एक्ट्रेस रात्रि के यात्री नाम की फिल्म में भी नजर आई थीं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।